KPT
KUMAWAT PRAGATI TRUST

2 गज दूरी
मास्क जरूरी

मासिक

कुमावत इंडिया

कुमावत प्रगति ट्रस्ट की सामाजिक पत्रिका

Email : kumawatindiapatrika@gmail.com

website : www.kumawatindiapatrika.com

वर्ष-5 | अंक-6 | जनवरी-2022 | पृष्ठ-32 | मूल्य : ₹ 20.00

73 वें गणतन्त्र दिवस की शुभकामनाएँ

सुभाष चन्द्र बोस
125 वीं जयंती

बंसत पंचमी की
शुभकामनाएँ

स्वामी विवेकानन्द
126 वीं जयंती

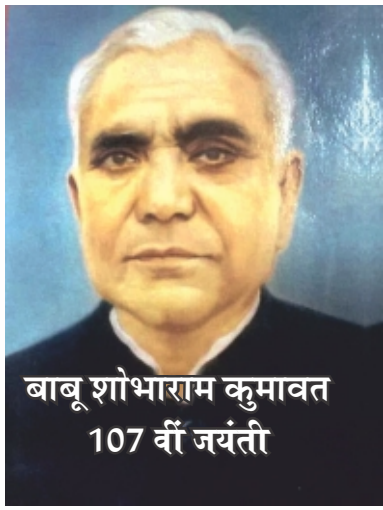

बाबू शोभाराम कुमावत
107 वीं जयंती

स्व. विनोद बालोदिया
9829059312

चेतन बालोदिया
9414052736

सुनील बालोदिया
9928910068

रवि बालोदिया
9829436551

A COMPLETE PRINTING SOLUTION

Raj Blocks

Since-1977

OFFSET PRINTERS

Nr. Sai Baba Temple, Choura Rasta, Jaipur
Mob: 9829059312, 9829436551
E-mail : rajblocks@yahoo.com

• Books • Magazine • Brochures • Catalogue • Flex, Vinayle • Envelops • Letter Head
• Event Tickets • Certificates • Invitation Card • Menu Card • Poster • Calender
• Packazing Box • UV & Leaf with Special Effects

PRESS

B-81, Road No.4, Kartarpura Ind. Area, 22 Godown, Jaipur
Ph.: 0141-4022538 Mob: 9414052736 • 9928910068

कुमावत प्रगति ट्रस्ट

पता : एफ-31-ए, एस.एल. मार्ग, लालबहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018

मुख्य संरक्षक	:	सुरेन्द्र कुमार वर्मा (नागा)	**मो. 9414994006**
अध्यक्ष	:	रमेश कुमावत (गेदर)	**मो. 9414554322**
उपाध्यक्ष	:	रामप्रकाश कुमावत एडवोकेट	**मो. 9887440666**
सचिव	:	श्रीमती भारती तोंदवाल	**मो. 9414810584**
कोषाध्यक्ष	:	लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल	**मो. 9549656438**
सदस्य ट्रस्टी	:	सी.एम. कुमावत (बड़ीवाल)	**मो. 9829056063**
		हेमचन्द खड़गटा	**मो. 9351682036**
		मनोज सिरस्वा	**मो. 9414043127**
		रामप्रकाश कुमावत (मारवाल)	**मो. 9414074376**
		जयकिशन सोकिल	**मो. 9829125428**
		चेतन बालोदिया	**मो. 9414052736**
सलाहकार	:	गिरधारी लाल सिंघनवाल	**मो. 9414263429**

सम्पादक मण्डल : रामप्रकाश कुमावत (मारवाल) सम्पादक - 9414074376, जयसिंह गुड़ीवाल सह-सम्पादक 9461343432, गौरव अजमेरा 9829488824, प्रमोद कुण्डलवाल 9414362169, मनीष कुमावत 9660702083 **पदेन सदस्य :** अध्यक्ष, सचिव एवं प्रकाशक।

व्यवस्थापक मण्डल : महेश चन्द जलान्धरा 9828118789, चन्द्र प्रकाश अजमेरा 9928088815, लालचन्द धुंधारिया 9413335998, सुरेन्द्र मारोठिया 9314820385, राजेश धुंधारिया 9314506330, राजेश कुमावत (मरोडिया) 9829097496, श्रीमती राजबाला बिर्थला 7976475370, प्रभुदयाल तुनगरिया किशनगढ़ 9680931428 एवं खेमचंद खड़गटा 9829140629, अशोक कुमावत - 9352070394, श्रीमती शशि कला बालोदिया

पत्रिका सहयोगी :

छत्तीसगढ़ : रमेश कुमार तुनवाल **मो. 9425234397** **दिल्ली :** राधेश्याम घासोलिया **मो. 9818711580** **सूरत :** शुभकरण किरोड़ीवाल **मो. 9898097444** **वापी :** कृष्णगोपाल **मो. 9824892299** **मुम्बई :** विजय किरोड़ीवाल, **मो. 9867177188** **जींद (हरियाणा) :** बलवीर सिंह वर्मा **मो. 9355322301** **कोटा :** चन्द्र प्रकाश कांकर **मो. 9214983402** **सीकर :** रामगोपाल भोड़ीवाल **मो. 9610784657** **उदयपुर :** घनश्याम पटवा **मो. 9460913044,** दयाशंकर रावड़िया **मो. 9414391034** **ब्यावर :** नरेन्द्र आर्य **मो. 8107944493** **किशनगढ़ :** नन्दकिशोर पारमवाल **मो. 9667090499** **बगरू :** चेनसुख बड़ीवाल **मो. 9929012957** **सांगानेर :** सोहनलाल अजमेरा **मो. 9636860812** **इंदौर :** नेमीचंद कारवाल **मो. 9993998645** **प्रोसेसिंग व मुद्रक :** राज ब्लॉक्स, चौड़ा रास्ता, जयपुर

सदस्यता शुल्क रु. : विशिष्ठ संरक्षक- 5000, संरक्षक-3000, 10 वर्षीय-1300 एवं 5 वर्षीय-600

विज्ञापन दरें : अंतिम कवर पृष्ठ-3500, कवर पृष्ठ अन्दर, 3000, अन्दर 1 पृष्ठ-2500, 1/2 पृष्ठ-1300, 1/4 पृष्ठ-700

नोट 1 : संरक्षक सदस्य को आजीवन (25 वर्ष) तक पत्रिका प्रेषित व 1 बार मय फोटो परिचय प्रकाशन, विशिष्ठ संरक्षक का आजीवन पत्रिका व प्रत्येक अंक में 10 वर्ष तक नाम का प्रकाशन।

नोट 2. 12 विज्ञापन निरन्तर देने पर 2 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किये जायेंगे। 6 विज्ञापन निरन्तर देने पर 1 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किया जायेगा।

बैंक खाता : कुमावत प्रगति ट्रस्ट, संख्या 13850110020562 यूको बैंक, गांधी सर्किल, जयपुर, IFS Code : UCBA0001385

यदि राशि सीधे बैंक खाते में स्लिप/ऑनलाइन जमा कराई गई है तो कृपया व्हाट्सएप नं. 9549656438 पर सूचित अवश्य करें।

स्वत्वाधिकार : कुमावत प्रगति ट्रस्ट के लिए प्रकाशक, मुद्रक सी.एम. कुमावत द्वारा राज ब्लॉक्स, बी-81, करतारपुरा इण्डस्ट्रीयल एरिया, 22 गोदाम, जयपुर से मुद्रित एवं एफ-31-ए, एस.एल. मार्ग, लालबहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018 से प्रकाशित सम्पादक राम प्रकाश कुमावत (मारवाल)

सम्पादकीय

जीवन में समस्याओं का आना-जाना स्वाभाविक है, इनका धैर्य एवं विवेक से समाधान करके इनसे पार निकला जा सकता है। समस्याओं को एक समय तक टालना इनके समाधान की प्रक्रिया का अंग हो सकता है, लेकिन समस्याओं को टालने अथवा बचने की प्रवृत्ति अंतत: अनेक समस्याओं का कारण बनती है और विकराल रूप ले लेती है।

जीवन शैली में बरती गई छोटी मोटी लापरवाही तथा गलत आदतें समय के साथ कई तरह के शारीरिक एवं मानसिक रोग लाती है। समय रहते जीवनशैली में वांछित सुधार नहीं किया गया तो यह गंभीर रूप ले सकती हैं कितनी भी बड़ी से बड़ी समस्या हो आत्मसंयम स्वर्ग का द्वार है। जीवन में समस्याओं का मुख्य कारण है असंयम है। आत्म संयम की कमी से व्यक्ति में अपराध की प्रवृति जन्म लेती है। आत्मसंयम पुण्यार्जन की पहली सीढी है और इसमें इन्द्रियसंयम सर्वप्रथम है, जिसकी प्राय: धज्जियां उड़ती देखी जा सकती है। इसका प्रमुख कारण प्रलोभन व मायावी आकर्षण है। सुख की खोज में भटक रहे इंद्रियलोलुप लोग एवं नैतिक दृष्टि से कमजोर चरित्र वाले व्यक्ति आसानी से इसके शिकार हो जाते हैं। नैतिकता, पावन भाव, व्रत-संकल्प, नेक इरादे, आदि क्षणभंगुर सुख के सामने घुटने टेक देते हैं। अंतत: इससे होने वाली हानि, कष्ट, पाप, संताप, अपमान एवं अप्रतिष्ठा से व्यक्ति दग्ध हो उठता है। यदि कभी व्यक्ति इनके दुष्परिणामों को देखते हुए कुछ समय के लिए संभल भी जाए तो प्रलोभन अपना दूसरा रूप धर कर पुन: व्यक्ति को इस नागपाश में कस लेता है और उसे साधना-पथ से स्खलित कर देता है।

इस प्रलोभन से मुक्ति हेतु श्रेष्ठ चिंतन, योगाभ्यास व परमात्मा की पूजा-अर्चना का सतत् अभ्यास परिवार के सभी सदस्यों को करना चाहिए तथा बच्चों को अच्छे संस्कार देने चाहिए। हमें अंतर्मुखी (सब तरह से चुप होकर मोन व्रतकर, स्वयं को भीतर से आनंद व शांति को उठने का अहसास) होना चाहिए। यह अंतर्मुखी भाव घड़ी दो घड़ी से बढ़ाकर कम से कम एक घंटा करना चाहिए।

हमें सुखी दांपत्य जीवन जीते हुए संयम एवं सदाचार के साथ आध्यात्मिक जीवन शैली अपनानी चाहिए। मनोग्रह अर्थात् मन पर नियंत्रण व अंतर्मुखी के नियमित अभ्यास करना चाहिए। अपनी दुर्बलता को साधते हुए अपनी क्षमताओं को जगाते हुए तथा अपने चित्त वृत्तियों को शांत कर जीवन का आनन्द लेना चाहिए। साथ ही जीवन के द्वद्वों के बीच हर तरह के अनुभव के साथ, जीवन देवता की साधना करके गरिमापूर्ण जीवन जीने का संकल्प लेना चाहिए। यह हमारे जीवन के शैक्षिक, सामाजिक, व्यावसायिक, आर्थिक तथा आध्यात्मिक उन्नति का सुगम मार्ग है।

जनवरी 2022 से 'कुमावत इंडिया' पत्रिका ने संकल्प लिया है कि पाठकों को रोचक व नवीन जानकारियाँ उपलब्ध कराए। इस क्रम में इस अंक में हम हंसराज कुमावत द्वारा डुबती युवती को बचाने की जानकारी दे रहे है। 'कुमावत इंडिया' पत्रिका ने श्री हंसराज कुमावत से सीधी वार्ता (इंटरव्यू) कर प्रकाशित करने की अनूठी पहल की है जो संभवत: समाज की पत्रिकाओं में प्रथम बार है।

समाजजन अपने शहर, कस्बे, गांव से सम्बधित समाचार इस पत्रिका में प्रकाशनार्थ भिजवा सकते है। **- रामप्रकाश कुमावत (मारवाल)**

हमारी वेवबसाइट www.kumawatindiapatrika.com पर आप 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के पिछले अंक व अन्य विवरण देख सकते हैं।

सम्पादकीय	3
वरिष्ठ सदस्य : विमल कुमावत	4
संरक्षक सदस्य : श्री कैलाश चन्द कुमावत एवं श्री हरि भगवान कुमावत	4
कुमावत इंडिया के बढ़ते कदम	5
टीम चेतन धुंधारिया द्वारा हंसराज कुमावत का सम्मान	6
कैलाश घोड़ावड़ बीजेपी गुजरात प्रदेश के भाषाभाषी सेल के सदस्य नियुक्त	6
बाबू शोभाराम कुमावत की 107 वीं जयंती पर विशेष	7
नेताजी सुभाषचन्द्र बोस की 125वीं जयंती	7
शिक्षा को बढ़ाने व कुरीतियाँ मिटाने पर चर्चा	8
सूरत में KPL - 1 का आयोजन	8
सत्येन्द्र खोराणिया को बेस्ट इन्सोलवेन्सी प्रोफेशनल अवार्ड	8
विद्यार्थियों ने पॉकेट मनी से खरीदे गर्म वस्त्र	8
अक्षत कुमार कुमावत का स्टेनोग्राफर पद पर चयन	9
दिलीप चौधरी इंदौर जिला ग्रामीण उपाध्यक्ष नियुक्त	9
भंवर लाल कुमावत जिला मीडिया प्रभारी नियुक्त	9
डॉ. सुनीता कुमावत की रंगौली प्रतियोगिता में सहभागिता	9
निशानेबाज जयंती कुमावत	9
अनिल कुमावत का डॉक्टर बनने पर अभिनन्दन	10
डॉ. कानाराम कुमावत एडवोकेट को PHD की उपाधि	10
कुमावत समाज की प्रतिभाओं का सम्मान	10
युवक-युवती परिचय सम्मेलन सम्पन्न	11
एक अनुकरणीय पहल : बिना दहेज के शादी	11
3 मई को चित्तौड़गढ़ में सामूहिक विवाह होंगे	11
शिक्षाविद् पूरण चन्द कुमावत का निधन	11
श्री चैन सुख बड़ीवाल को पितृ शोक	11
कुमावत महासभा का प्रांतीय अधिवेशन झीलों की नगरी उदयपुर में सम्पन्न	12
कुमावत समाज मण्डी, उदयपुर की नवीन कार्यकारिणी निर्वाचित	12
कैसे बनाये पत्रकारिता में कैरियर	13
किसान नेता राकेश टिकैत द्वारा 'दैनिक निरन्तर' के सम्पादक कुमावत का सम्मान	13
स्वामी विवेकानन्द	14
विभिन्न संस्थानों में नई भर्तियों हेतु आवेदन आमंत्रित	14
कुमावत गौरव : श्री बाबूलाल ब्याड़वाल	15
स्वामिनी सेवा संस्था के नववर्ष 2022 कैलेंडर का हुआ मिवमोचन	15
कुमावत समाज ने मालवीय नगर समिति की अतिरिक्त भूमि देने पर आभार जताया	16
मनीष कुमावत सम्पादक मंडल सदस्य	16
अशोक कुमावत एवं श्रीमती शशि कला बालोदिया व्यवस्थापक मण्डल सदस्य नियुक्त	16
टीम चेतन धुंधारिया द्वारा कोरोना जनजागरूकता अभियान	17
वैवाहिक एवं बधाई विज्ञापन	17
स्मृति शेष : स्वर्गीय श्री मुन्ना लाल जी वर्मा	18
श्रद्धांजलि एवं आभार विज्ञापन	18
गणतंत्र दिवस (Republic Day)	19
महिला न्यायिक अधिकारियों का सम्मान	19
सिंदूर से बिछिया तक स्त्रियों के सोलह शृंगार का राज	20
हमारे आदर्श	22
15 हजार किलो सोने से बना है महालक्ष्मी मंदिर	22
रसोईघर का वास्तु	23
एक नई सोच एवं अपील	23
विशिष्ट संरक्षक/श्रद्धांजलि	24
विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची	25
'कुमावत इंडिया' पत्रिका नहीं मिलने पर यहां सम्पर्क करें	26
श्रद्धांजलि एवं आभार विज्ञापन	27-29
वैवाहिक एवं बधाई विज्ञापन	30

विशिष्ट संरक्षक

श्री विमल कुमावत

(पुत्र श्री छोटे लाल अनावड़िया) ए 8/IVth, बाल नगर, करतारपुरा, महेश नगर, जयपुर 302006

श्री विमल कुमावत, जयपुर नगर निगम के पूर्व उपमहापौर तथा भाजपा जयपुर शहर के उपाध्यक्ष है। आप राजनीति के साथ सामाजिक व शिक्षा के क्षेत्र में भी सक्रिय रहे है। आप मृदुभाषी है तथा मानवीय व सामाजिक कार्यों में सदैव अग्रणी रह कर सहयोग देते है।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका परिवार आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

संरक्षक

श्री कैलाश चन्द कुमावत

(पुत्र श्री चन्दाराम दम्बीवाल)
निवासी 410 दम्बीवालों की ढाणी, तिगरिया,
वाया इटावाभोपजी, तह. चौमूं, जिला जयपुर-303804

आप भवन निर्माण कान्ट्रेक्टर हैं तथा चौमूं के निकटवर्ती क्षेत्रों में भवन निर्माण कार्य में आपका नाम जाना पहचाना है। आपके पिता श्री चन्दाराम भी उम्दा कारीगर व ठेकेदार हैं। आपके परिवार ने मृदु व्यवहार एवं ईमानदारी से कार्य करके छवि बनाई है। आपके दादाजी स्व. गिरधारी लाल जी इन्दौर में भवन निर्माण कार्य के लिए विख्यात रहे व समाज के अध्यक्ष भी रहे हैं।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका आपके तथा आपके परिवार के उज्ज्वल भविष्य की कामना करती है।

संरक्षक

श्री हरि भगवान कुमावत

(पुत्र स्व. श्री जगदीश प्रसाद मारोठिया)
रेलवे स्टेशन के पास, बिहारीपुरा रोड,
वार्ड नं 17 चौमूं, जयपुर-303802

आप चौमूं क्षेत्र में भूमि, सड़क आदि के सर्वेयर तथा भवन निर्माण की गतिविधियों से जुड़े हैं। आपकी फर्म 'रचनासिस सर्वे कन्सलटेन्ट' द्वारा आधुनिक सर्वे उपकरणों से विश्वसनीयता एवं निपुणता से कार्य किया जाता है। आप PWD, PHED, JDA इत्यादि राजकीय विभागों तथा प्राइवेट संस्थाओं एवं व्यक्तियों के लिए भवन निर्माण सर्वे एवं मानचित्र, ट्रेसिंग एवं अमोनिया प्रिंट, खसरा सम्बन्धी कार्य करते हैं।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका आपके एवं आपके परिवार के उज्ज्वल भविष्य की कामना करती है।

कुमावत इंडिया पत्रिका के बढ़ते कदम

श्री हंसराज जी कुमावत जिन्होंने नदी में छलांग लगाकर डूबती युवती की जान बचाई

कुमावत इंडिया पत्रिका से रू-ब-रू हुए सीधी वार्ता के कुछ अंश

बनास नदी पर बने नेगडिया हाईलेवल ब्रिज पर मनोरम दृश्य के साथ सेल्फी ले रही एक युवती का संतुलन बिगड़ने से वह नदी में गिर गई। वहाँ से गुजर रहे डाबरकलां पंचायत समिति कल्याणपुरा गांव के हंसराज कुमावत ने अपनी गाड़ी रोकी तथा युवती को डूबता देख नदी में छलांग लगा दी और उसे सुरक्षित बचा लिया।

हंसराज जी कुमावत द्वारा अदम्य साहस व बहादुरी का परिचय देते हुए एक अनजान युवती के जीवन की रक्षा की गई। जो मानवता की एक अनूठी मिसाल है। जबकि आज के युग में लोग खून के रिश्तों की परवाह नहीं करते हैं। ऐसा करते समय उनकी जान भी जा सकती थी व चोट भी लग सकती थी। गत वर्ष ही उनके छोटे भाई का निधन हो गया था, अब वे अकेले अपने परिवार के चिराग हैं। हंसराज जी द्वारा अपनी जान की परवाह न करते हुए इंसानियत के नाम, मानवता को सर्वोपरि रखते हुए युवती की जान बचाई, उसके लिए श्री हंसराज साधुवाद के पात्र हैं। 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के सह सम्पादक जयसिंह गुडीवाल ने श्री हंसराज कुमावत से सीधी वार्ता की जिसके कुछ अंश प्रस्तुत हैं–

जयसिंह– आपका जीवन परिचय बतायें?

हंसराज– मेरा नाम हंसराज कुमावत है पिता श्री जगदीश कुमावत (बालोदिया), मैं कल्याणपुरा डाबरकलां, तहसील देवली, जिला टोंक का रहने वाला हूँ। मैं बी.ए. तक शिक्षित हूँ तथा मेरी स्वयं की दुकान है।

जयसिंह– आपके परिवार में कौन–कौन हैं?

हंसराज–मेरे परिवार में माता–पिता, दो बड़ी बहने, पत्नी, 11 माह की एक बेटी तथा स्व. छोटे भाई की पत्नी एवं उसका पुत्र है।

जयसिंह–घटना के वक्त आप उस एरिया में क्या कर रहे थे?

हंसराज–मैं देवली से अपने गाँव जा रहा था। मेरे साथ 3–4 दोस्त भी थे।

जयसिंह–आपने वहाँ क्या देखा?

हंसराज–मैंने देखा कि बनास नदी पर बने नेगड़िया हाईलेवल ब्रिज पर काफी भीड़ लगी हुई थी, मैंने अपनी गाड़ी रोकी और देखा कि वहाँ एक लड़की नदी में डूब रही थी और वो सहायता के लिए चिल्ला रही थी, बचाओ, बचाओ...

जयसिंह–उस वक्त आपके दिमाग में क्या आया और आपने किस तरह उस युवती को बचाया?

हंसराज–मेरे दिमाग तब सिर्फ एक ही बात आई कि इस लड़की को बचाना है। मैंने ब्रिज के ऊपर से नदी में छलांग लगा दी। जिस जगह मैंने छलांग लगाई लड़की वहाँ से थोड़ी दूरी पर थी। मैं तैरता हुआ जैसे–तैसे लड़की के पास पहुँचा। कुछ लोगों ने नदी में एक रस्सी डाल दी थी। एक हाथ से मैंने लड़की को पकड़ा। दूसरे हाथ से रस्सी को पकड़ लिया, जिसके सहारे मैं उस लड़की को जीवित निकालने में कामयाब रहा।

जयसिंह–क्या आपने तैराकी का प्रशिक्षण लिया है?

हंसराज–नहीं। मैंने कहीं भी तैराकी का प्रशिक्षण नहीं लिया है, हमारे गाँव में ही तालाब है, बचपन से मैं अक्सर तालाब पर नहाने जाया करता था और वहीं से स्वयं तैरना सीखा।

जयसिंह–जो लोग वहाँ मौजूद थे उनसे आपको किसी प्रकार सहायता मिली?

हंसराज– कुछ लोग एक रस्सी लेकर आये और उसे नदी में डाल दिया जिसके सहारे मैं उस युवती को नदी से बाहर ले आया। इस दौरान ज्यादातर लोग विडियो बनाने व सेल्फी बनाने में लगे हुए थे।

जयसिंह–क्या नदी गहरी थी, पानी ठंडा था, नदी में पत्थर भी थे, खतरनाक जीव–जन्तु भी थे क्या आपको जरा भी डर नहीं लगा?

हंसराज–नदी 20 फीट गहरी थी व पानी ठंडा था। मुझे कुछ और सोचने का समय ही नहीं मिला। मुझे बचपन से ही डर नहीं लगता। मेरे दिमाग में सिर्फ एक ही जज्बा था कि इस युवती को बचाना है।

जयसिंह–क्या आपको कहीं चोट आई?

हंसराज–नहीं। मुझे कहीं कोई चोट नहीं आई। ईश्वर और माता–पिता का आशीर्वाद मेरे साथ था।

जयसिंह–जब आप युवती को बचाकर नदी किनारे लाये तो क्या युवती होश में थी?

हंसराज–नहीं। युवती बेहोश हो चुकी थी। उसे तुरन्त चिकित्सा सहायता के लिए अस्पताल ले जाया गया जिसे प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई।

जयसिंह–घटना के बाद जब आप घर पहुँचे तो आपके परिवारवालों की क्या प्रतिक्रिया थी?

हंसराज–मैं घर पहुँचा तो मेरे पिताजी ने मुझे डांटा और कहा कि तू हमारा अब इकलौता पुत्र है। अगर तुझे कुछ हो जाता तो हम क्या करते? फिर मैनें पूरी घटना के बारे में बताया तो उन्होंने कहा कि 'मुझे तुझ जैसे बेटे पर गर्व है।'

जयसिंह–आप युवाओं को क्या संदेश देना चाहेंगे? जो ऐसी घटना के वक्त भी सेल्फी और विडियो बनाते हैं।

हंसराज–मेरी आप सभी से अरज है कि आप कभी कोई ऐसी घटना देखें तो विडियो ओर सेल्फी लेने के बजाय उसे बचाने हेतु मदद करें। मानवता के हित में यही संदेश देना चाहता हूँ।

टीम चेतन धुंधारिया द्वारा हंसराज कुमावत का सम्मान

नदी में कूदकर युवती की बचाई थी जान

टीम चेतन धुंधारिया द्वारा अदम्य साहस व शौर्य के प्रतीक हंसराज कुमावत को माला, साफा पहनाकर व सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया। टीम चेतन धुंधारिया के प्रवक्ता जयसिंह गुडीवाल ने बताया कि **''जाको राखे साइयां मार सके ना कोई'' इस कहावत को चरितार्थ किया हंसराज कुमावत ने।** दरअसल घटना बनास नदी पर बने नेगडिया हाईलेवल ब्रिज पर मनोरम दृश्य के साथ सेल्फी ले रही एक युवती का संतुलन बिगड़ने से नदी में गिर गई थी। वहाँ से गुजर रहे डाबरकलां पंचायत समिति कल्याणपुरा गांव के हंसराज कुमावत ने भीड़ देखकर अपनी गाड़ी रोकी तथा एक युवती को डूबते हुए देखा। वहाँ लोग सेल्फी और विडियो बना रहे थे। हंसराज कुमावत ने युवती को डूबता देख स्वयं की जान की परवाह न करते हुए 20 फुट गहरी नदी में छलांग लगा दी और उस युवती को सुरक्षित बचा लिया।

टीम चेतन धुंधारिया के संस्थापक चेतन कुमावत ने सम्मान समारोह में कहा कि ''आज के युग में लोग खून के रिश्तों की परवाह नहीं करते वहीं हंसराज कुमावत द्वारा अपनी जान की परवाह न करते हुए एक अनजान युवती को नदी में डूबने से बचाया, यह बहुत ही साहसिक कार्य है। इंसानियत के नाम, मानवता को सर्वोपरि रखते हुए युवती की जान बचाई इसके लिए उन्होंने धन्यवाद दिया और श्री हंसराज की दीर्घायु की कामना की।''

'कुमावत इंडिया' पत्रिका के अध्यक्ष रमेश गैदर ने कहा कि आपके द्वारा किये गये इस साहसिक कार्य से समाज को ही नहीं देश को भी गौरान्वित किया है। साथ ही यह भी निवेदन किया कि ऐसी घटना के वक्त लोग सेल्फी और विडियो बनाने के बजाय यथासंभव सहायता का प्रयास करें। समाजबंधुओं द्वारा जिला कलेक्टर को एक ज्ञापन भी दिया गया। जिला कलेक्टर ने हंसराज कुमावत को राज्य स्तर पर सम्मानित करने का आश्वासन दिया है।

इस अवसर पर टीम चेतन धुंधारिया के चेतन कुमावत, जयसिंह गुडीवाल, खेमचंद खड़गटा, राकेश कुमावत एडवोकेट, रमेश तोंदवाल, विजय कारगवाल, श्रवण कुमावत, ओमप्रकाश, तनुज कुमावत, गणपत नेमीवाल (भादवा), **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका के अध्यक्ष रमेश गैदर, ट्रस्टी सी.एम. बडीवाल एवं चेतन बालोदिया, स्वामिनी सेवा संस्था के अध्यक्ष अशोक कुमावत व प्रचार मंत्री गुरूदयाल वर्मा, चिरंजी फिल्म्स के निर्माता-निर्देशक चिरंजी कुमावत, हीरालाल, राजस्थान क्षत्रिय कुमावत युवा शक्ति समिति के वरिष्ठ विधि सलाहाकार राकेश कुमावत उपस्थित थे। 'कुमावत इंडिया' पत्रिका द्वारा श्री हंसराज कुमावत को दो वर्ष तक नि:शुल्क पत्रिका उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है।

कैलाशजी घोड़ावड़ बीजेपी गुजरात प्रदेश के भाषाभाषी सेल के सदस्य नियुक्त

युवाओं में लोकप्रिय एवं कार्य कुशल समाजसेवी, भामाशाह कैलाश घोड़ावड़ (कुमावत) भारतीय जनतापार्टी के गुजरात प्रदेश के भाषाभाषी सेल के सदस्य बनाये गए है। कैलाश कुमावत विगत कई दशकों से गुजरात प्रदेश में अपने मृदुभाषी स्वभाव के चलते सर्वसमाज के लोगों एवं उनके सामाजिक संगठनों में अपनी पहचान बनाए हुए हैं। कैलाश कुमावत, वर्तमान मे लगातार तीन बार भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा रजि. में गुजरात युवा प्रदेश अध्यक्ष भी है।

ये आपसी सामंजस्य बनाए रखने के लिए भी विख्यात हैं। बीजेपी पार्टी के कर्मठ कार्यकर्ता के रूप में अपनी छवि बनाए हुए हैं जिसके चलते इनको बीजेपी द्वारा गुजरात प्रदेश के भाषाभाषी सेल के सदस्य मनोनीत किया गया।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से श्री कैलाश घोड़ावड़ को हार्दिक बधाई।

बाबू शोभाराम कुमावत की 107 वीं जयंती पर विशेष

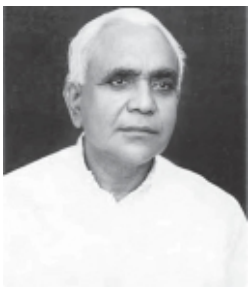

स्वतंत्रता संग्राम के अमर पुरोधा, अलवर प्रजामंडल के अध्यक्ष, मत्स्य प्रदेश के प्रधानमंत्री, कुमावत समाज के प्रथम सांसद एवं कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष बाबू शोभाराम जी कुमावत का जन्म 7 जनवरी 1914 को पिता श्री बुद्धाराम जी कठुमरा के परिवार में अलवर में हुआ था। आपने B. COM, MA, LLB की शिक्षा ग्रहण की। ये अलवर में वकालत करते थे तथा वकालत से अच्छा पैसा अर्जित कर सकते थे किंतु तभी भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान वे आजादी के आंदोलन में कूद पड़े। उन्होंने वर्ष 1943 में गांधी जी के साथ 17 दिन अनशन किया।

बाबू शोभाराम जी 4 वर्ष तक अलवर प्रजामंडल के अध्यक्ष रहे। इन्होंने अलवर के हरसाणा गांव में गांधी विद्यालय की स्थापना की। नेतृत्व क्षमता, कर्मठता व आजादी के लिए अंग्रेजों से संघर्ष समर्थता ने बाबू शोभाराम जी को '**अलवर का गांधी**' बना दिया। राजस्थान निर्माण के प्रथम चरण में जब 1948 में अलवर, भरतपुर, धौलपुर और करौली को मिलाकर मत्स्य प्रदेश बना तो शोभाराम जी इसके प्रधानमंत्री बनाये गये। 1949 में मत्स्य प्रदेश का राजस्थान में विलय होने पर हीरालाल शास्त्री सरकार में राजस्व मंत्री बनें। 1952 में प्रथम चुनाव से 1962 तक अलवर लोकसभा क्षेत्र से सांसद रहे। 1956 में वे प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष बनें। वे राज्य सहकारी बैंक के अध्यक्ष चुने गये। श्री शोभाराम जी 1967, 1972 में रामगढ तथा 1980 मे थानागाजी से विधायक निर्वाचित हुए। श्री शोभाराम जी 1967 से सुखाडिया मंत्रीमंडल में तथा जुलाई 1971 से बरकतुल्ला खां सरकार में कृषि, सहकारिता, पशुपालन तथा वित्त आदि विभागों के मंत्री रहे। 23 मार्च 1984 को जयपुर में समाज का यह महान व्यक्तित्व व स्वतंत्रता सेनानी चिरनिद्रा में सो गया। इनकी याद में कुछ समाजजनों ने "**श्री बाबू शोभाराम चैरिटेबल ट्रस्ट**" का गठन किया है जो बाबूजी के प्रेरणा स्वरूप विचारों व संस्कारों का प्रचार प्रसार करेगा ताकि लोग उन्हें आत्मसात कर सके। यही उनको सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

महान स्वतंत्रता सेनानी स्व. श्री शोभाराम जी कुमावत को उनकी 107वीं जयंती पर 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से भी सादर श्रद्धाञ्जलि।

नेताजी सुभाषचन्द्र बोस की 125वीं जयंती

नेताजी सुभाषचन्द्र बोस का जन्म उड़ीसा की राजधानी कटक के एक मध्यमवर्गीय परिवार में 23 जनवरी, 1897 को हुआ था। सुभाष के पिता रायबहादुर जानकीनाथ अंग्रेज भक्त थे वे चाहते थे कि सुभाष अंग्रेजी आचार-विचार और शिक्षा को अपनाएँ, विदेश में जाकर पढ़ें तथा आई.सी.एस. बनकर अपने कुल का नाम रोशन करें। सुभाष की माता श्रीमती प्रभावती हिन्दुत्व और देश से प्रेम करने वाली महिला थीं। वे उन्हें 1857 के संग्राम तथा विवेकानन्द जैसे महापुरुषों की कहानियाँ सुनाती थीं। इससे सुभाष के मन में भी देश के लिए कुछ करने की भावना प्रबल हो उठी।

सुभाष की शिक्षा कटक और कोलकाता में हुई। पिताजी के आग्रह पर वे आई.सी.एस की तैयारी करने व परीक्षा के लिए इंग्लैंड चले गये। उन्होंने अपनी योग्यता और परिश्रम से लिखित परीक्षा में चतुर्थ स्थान प्राप्त किया; पर उनके मन में ब्रिटिश शासन की सेवा करने की इच्छा नहीं थी। बंगाल के स्वतन्त्रता सेनानी देशबन्धु चितरंजन दास से उनका पत्र-व्यवहार होता रहता था। उनके आग्रह पर वे भारत लौटकर कांग्रेस में शामिल हो गये।

कांग्रेस में उन दिनों गांधी जी और नेहरू जी का वर्चस्व था। उनके निर्देश पर सुभाष बाबू ने अनेक आन्दोलनों में भाग लिया और 12 बार जेल-यात्रा की। गुजरात के हरिपुरा में 1938 में हुए कांग्रेस के राष्ट्रीय अधिवेशन में वे अध्यक्ष बनाये गये, किंतु गांधी जी से आन्दोलन संचालन पर मतभेद हो गये। गांधी जी चाहते थे कि प्रेम और अहिंसा से आजादी का आन्दोलन चलाया जाये जबकि सुभाष बाबू उग्र साधनों को अपनाना चाहते थे। कांग्रेस के अधिकांश लोग सुभाष बोस का समर्थन करते थे।

सुभाष अगले साल मध्य प्रदेश के त्रिपुरी में हुए अधिवेशन में पुन: अध्यक्ष बनना चाहते थे पर गांधीजी ने पट्टाभि सीतारमैया को खड़ा कर दिया। सुभाष बोस भारी बहुमत से चुनाव जीत गये। इससे गांधी जी के दिल को बहुत चोट लगी। आगे चलकर सुभाष बाबू ने जो भी कार्यक्रम हाथ में लेना चाहा, गांधी जी और नेहरू के गुट ने उसमें सहयोग नहीं दिया। इससे खिन्न होकर सुभाष बोस ने अध्यक्ष पद के साथ ही कांग्रेस भी छोड़ दी। उन्होंने 'फारवर्ड ब्लाक' की स्थापना की। कुछ ही समय में कांग्रेस की चमक फारवर्ड ब्लाक' के आगे फीकी पड़ गयी। अंग्रेज शासन ने सुभाष बाबू को पहले जेल में और फिर घर में नजरबन्द कर दिया पर सुभाष बाबू वहाँ से निकल भागे। उन दिनों द्वितीय विश्व युद्ध के बादल मंडरा रहे थे। सुभाष बाबू, अंग्रेजों के विरोधी देश जर्मनी व जापान पहुँचकर भारत की स्वतन्त्रता के लिए सहयोग लेने का प्रयास किया। उन्होंने आजाद हिन्द फौज के सेनापति पद सम्भाला व 'जय हिन्द', 'दिल्ली चलो' तथा 'तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूँगा' जैसे का नारे दिये। 21 अक्टूबर 1943 को भारत की स्वाधीन सरकार गठित की जिसे 11 देशों ने मान्यता दी।

उनकी फौज रंगून तक पहुँची, अंडमान के तीन द्वीपों को स्वतंत्र कराया पर दुर्भाग्य से उनका यह प्रयास आगे सफल नहीं हो पाया।

सुभाष बाबू का अन्त कैसे, कब और कहाँ हुआ, यह रहस्य ही है। कहा जाता है कि 18 अगस्त, 1945 को जापान में हुई एक विमान दुर्घटना में उनका देहान्त हो गया। यद्यपि अधिकांश तथ्य इसे झूठ सिद्ध करते हैं; पर उनकी मृत्यु के रहस्य से पूरा पर्दा उठना अभी बाकी है।

नेताजी सुभाष में अदम्य संगठन क्षमता, साम्प्रदायिक सौहार्द, देशप्रेम, जुझारू व्यक्तित्व व स्त्री सम्मान जैसे गुण थे। हमें उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए। हाल ही में केन्द्र सरकार ने इंडिया गेट पर ग्रेनाइट से बनी श्री सुभाष बोस की मूर्ति लगाने तथा जब तक मूर्ति तैयार हो तब तक 23 जनवरी 2022 को होलोग्राम प्रतिमा लगाने का निर्णय लिया है।

शिक्षा को बढ़ाने व कुरीतियाँ मिटाने पर चर्चा

बजरंग विहार, भीलवाड़ा में कुमावत समाज विकास एवं शोध संस्थान, ट्रस्ट ने एक दिवसीय सम्मेलन में शिक्षा के प्रति जागृति, अनुशासित व विकसित समाज के प्रति जागृति एवं समाज संगठन की विशेष जागृति के बारे में विस्तृत चर्चा की। इस अवसर पर नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया। इसमें जिला अध्यक्ष शंकरलाल कुमावत प्रधान (मांडल), उपाध्यक्ष राहुल नागौरा, सचिव समर्थ सींदड़, कोषाध्यक्ष बालूराम कुमावत आदि पदाधिकारी सर्वसम्मति से बनाये गये। इस सम्मेलन में पोस्टर का विमोचन अतिथिगणों, पदाधिकारियों व गणमान्य समाजजनों द्वारा किया गया।

अध्यक्ष ने बताया कि खरीदी गई जमीन के लिए अनेक भामाशाहों ने सहयोग राशि दे दी है तथा अनेक भामाशाहों ने इसे देने की घोषणा की है।

सूरत में KPL - 1 का आयोजन

भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा,गुजरात प्रदेश द्वारा मेवाड़ क्षत्रिय कुमावत समाज सूरत में KPL-1 का 10 जनवरी, 2022 को आयोजन किया। अध्यक्ष श्री कैलाश घोड़ावड़, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य श्री ओमप्रकाश बरमूडा, पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री पुखराज लारणा, व महासभा के गुजरात प्रदेश संगठन मंत्री श्री रविन्द्र देवतवाल इस कार्यक्रम में उपस्थित होकर खिलाड़ियों व आयोजनकर्ताओं का उत्साह बढ़ाया। श्री मेवाड क्षत्रिय कुमावत समाज सूरत के अध्यक्ष मुकेश जी जलवाणिया एवं कार्यकर्ताओं ने इस आयोजन को सम्भव बनाने में विशेष योगदान दिया।

सत्येन्द्र खोराणिया को बेस्ट इन्सोलवेन्सी प्रोफेशनल अवार्ड

भारत के द्वितीय एवं राज्य के प्रथम इन्सोलवेन्सी प्रोफेशनल सत्येन्द्र खोराणिया को शुभ लाई स्टाइल अवार्ड सीजन 4 की प्रोफेशनल केटगरी में मशहूर अभिनेत्री दिया मिर्जा ने ''बेस्ट इन्सोलवेन्सी प्रोफेशनल'' अवार्ड दिया।

श्री खोराणिया इन्सोलवेन्सी प्रोफेशनल के रूप में रुग्ण कम्पनियों की सम्पत्तियों को हितधारकों के हित में समाधान करके पुनर्जीवित करके रोजगार की सम्भावना बढ़ाने के लिए इस अवार्ड के लिए चयनित किए गए थे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रितुराज खन्ना थे।

श्री सत्येन्द्र खोराणिया को बेस्ट इन्सोलवेन्सी अवार्ड मिलने पर 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से बधाई।

गरीब व जरूरतमंदों को गर्म वस्त्र वितरित

विद्यार्थियों ने पॉकेट मनी से खरीदे गर्म वस्त्र

कुचामनसिटी के डायमण्ड पब्लिक स्कूल के बच्चों ने शिक्षक दिनेश वैष्णव एवं योगेश कुमावत की प्रेरणा से अपनी पॉकेट मनी से गर्म कपड़े खरीद कर कच्ची बस्ती में वितरित कर प्रेरणादायक कार्य किया। इन गर्म कपड़ों के मिलने से कच्ची बस्ती के बच्चों के चेहरों पर मुस्कान देखने को मिली जिससे सभी को सुकून मिला। शिक्षक कैलाश कुमावत ने इस अवसर पर कहा कि परोपकार के कार्य से आत्मसुख मिलता है। जीवन में हमें जीवों के प्रति सकारात्मक सोच व दयालुवान रहना चाहिए। गरिमा कुमावत, रामचन्द्र कुमावत, मीनाक्षी कुमावत, प्रिंस, रितिका, दीपिका सहित बच्चों ने गिफ्ट भी वितरित किए। इस अवसर पर संस्था प्रधान सुभाष कुमावत भी उपस्थित थे।

श्री बलराम कुमावत को उज्जैन जिला भाजपा का नगर मंत्री नियुक्त होने पर कुमावत इंडिया पत्रिका ओर से बहुत बहुत बधाई।

अनिता कुमावत पुत्री श्री गहरी लाल जी कुमावत, रूपा खेड़ा, का सब इंस्पेक्टर पद पर चयन होने पर हार्दिक शुभकामनाएं।

अक्षत कुमार कुमावत का स्टेनोग्राफर पद पर चयन

अक्षत कुमार कुमावत पुत्र श्री गिरधारी लाल कुमावत (भगतजी) निवासी- कल्याणजी का रास्ता, चांदपोल बाजार, जयपुर का राजस्थान हाईकोर्ट स्टेनोग्राफर परीक्षा ग्रेड-3 में स्टेनोग्राफर के पद पर चयन हुआ है। इनके पिता गिरधारी लाल कुमावत भक्ताई करने वाले उम्दा कलाकार हैं। यह कला अब लुप्त होती जा रही है। इनके दादा गोपाल लाल गैदर हाथी दाँत के जाने माने हस्तशिल्पी थे। स्टेनोग्राफर के पद पर चयन होने पर अक्षत कुमार कुमावत को 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई व शुभकामनाएँ।

दिलीप चौधरी इंदौर जिला ग्रामीण उपाध्यक्ष नियुक्त

भारतीय जनता पार्टी के जिला ग्रामीण अध्यक्ष व पूर्व विधायक साँवेर ने साँवेर निवासी कुमावत श्री दिलीप जी चौधरी को भारतीय जनता पार्टी जिला इंदौर ग्रामीण में उपाध्यक्ष पद नियुक्त किया गया। इस अवसर पर कुमावत समाज वरिष्ठ समाज सेवी श्री पूरणमल जी मुंडेल, श्री घनश्याम जी मण्डलिया, श्री नेमीचंद जी कारवाल, श्री नेमीचंद जी मेरावड़िया आदि समाजजनों ने बधाई दी। पूर्व में भी चौधरी जी कई महत्वपूर्ण पदों पर रहते हुए समाज के हितों के योगदान देते रहे हैं।

'**कुमावत इंडिया**' पत्रिका की ओर से श्री दिलीप चौधरी को बधाई।

गौरव एग्जीक्यूटिव इंजीनियर चयनित

श्रीगंगानगर के गौरव का चयन एग्जीक्यूटिव इंजीनियर के पद पर सतलज जल विद्युत निगम , शिमला में हुआ है। गौरव को आल इंडिया OBC में प्रथम स्थान मिला है। गौरव ने मेकेनिकल इंजिनीरिंग IIT से की है। गौरव के पिता श्री मोहर सिंह पुलिस में सहायक उप निरीक्षक है।

गौरव को इस उपलब्धि के लिए बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना।

भंवर लाल कुमावत जिला मीडिया प्रभारी नियुक्त

जोबनेर के निवासी भंवर लाल कुमावत को राजस्थान क्षत्रिय कुमावत युवा शक्ति समिति का जिला मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया है। जिलाध्यक्ष आशीष कुमावत, प्रदेश अध्यक्ष नवरतन व प्रदेश महामंत्री हरीश कुमावत की अनुसंशा पर उनकी नियुक्ति की गई। इस अवसर पर विधायक निर्मल कुमावत सहित समस्त ग्रामवासी ने उन्हें मिठाई खिलाकर खुशी व्यक्त की बधाई दी।

डॉ. सुनीता कुमावत की रंगौली प्रतियोगिता में सहभागिता

भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय ने आजादी का अमृत महोत्सव पर द्वारा आयोजित रंगोली बनाने की प्रतियोगिता में डॉ. सुनीता कुमावत मारोठिया को सफलतापूर्वक सहभागिता के लिए प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया है। आप वर्तमान में दौसा, राजस्थान में पदस्थापित हैं। डॉ. सुनीता कुमावत को इस अवसर पर 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से बहुत बहुत बधाई।

निशानेबाज जयंती कुमावत

जसरापुर गाँव, खेतड़ी, झुंझुनू निवासी नरेश कुमावत की बेटी जयंती कुमावत ने निशानेबाजी को अपना कैरियर चुना, इस लक्ष्य को हासिल करने में उसके पिता ने आर्थिक तंगी को आगे नहीं आने दिया। नरेश ने अपने मकान का निर्माण अधूरा छोड़ दिया व मजदूरी से बचत के 40 हजार रुपये भी बच्ची को सीकर में प्रशिक्षण दिलाने में लगा दिये। जयंती प्रतिभावान है वह 12वीं की छात्रा है, सीकर में अकेली रहकर पढ़ाई व प्रशिक्षण ले रही है। इसने 1 वर्ष में ही उसने राष्ट्रीय टीम के लिए 600 में से 535 अंकों के साथ क्वालिफाई कर लिया है।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका समाज की इस प्रतिभावान बिटिया जयंती कुमावत के उज्ज्वल भविष्य की कामना करती है।

अनिल कुमावत का डॉक्टर बनने पर अभिनन्दन

कुचामनसिटी। अनिल कुमावत पुत्र श्री सांवर मल देवतवाल द्वारा MBBS की पढ़ाई पूर्ण करके डॉक्टर बनने पर शहर व समाज के गणमान्य लोगों ने उनके निवास पर माला एवं साफा पहनाकर अभिनन्दन किया एवं शुभकामना दी। इस अवसर पर पूर्व विधायक श्री हरिश कुमावत, कुमावत समाज अध्यक्ष बाबूलाल कुमावत, आदर्श

कॉलेज के प्रबन्धक निदेशक राजाराम प्रजापति व योगेश जाखड़, जैन समाज से संतोष पहाड़िया, गूर्जर समाज के सरपंच जगदीश गूर्जर, बजरंग किरोड़ीवाल, मानाराम किरोड़ीवाल, राजकुमार फौजी, वार्ड पंच, सरपंच आदि गणमान्य लोग उपस्थित थे।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से डॉ. अनिल कुमावत को बधाई।

डॉ. कानाराम कुमावत एडवोकेट को PHD की उपाधि

गाँव रोजडी तहसील फुलेरा जिला जयपुर निवासी एडवोकेट कानाराम कुमावत को महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर ने 'लम्बित न्यायिक प्रकरणों को कम करने में ग्राम न्यायालय की भूमिका' (राजस्थान के विशेष सन्दर्भ में) विषय पर पीएचडी की उपाधि प्रदान की है।

उन्होंने अपना शोध कार्य राजकीय विधि महाविद्यालय अजमेर के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सुनील कुमार के निर्देशन में पूरा किया।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से डॉ. कानाराम कुमावत एडवोकेट को PHD पूर्ण करने पर हार्दिक बधाई।

कुमावत समाज की प्रतिभाओं का सम्मान

ज्योति शिक्षण सस्थान के विवेकानन्द सभागार में कुमावत समाज का प्रतिभा सम्मान समारोह-2021 मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमान् पन्नालाल जी सरिया, उदयपुर व संयोजक श्री गिरधारी लाल जी कुमावत थे। सरस्वती वन्दना डॉ. आरती कुमावत ने की व स्वागत, उद्बोधन एवं अतिथि परिचय संयोजक श्री गिरधारी लाल जी कुमावत द्वारा किया गया।

कार्यक्रम संयोजक जी.एल. कुमावत ने कार्यक्रम का परिचय देते हुए बताया कि समिति 1997 से छात्रों का लगातार सम्मान कर रही है समिति का मुख्य उद्देश्य समाज के विद्यार्थियों को शिक्षा व खेलकूद के क्षेत्र में प्रोत्साहन देना, जरूरतमंद महिलाओं को आर्थिक सहायता व समाज के राजकीय सेवा से सेवानिवृत्त हुए है का सम्मान करना है।

अध्यक्ष डॉ. मनोज जी कुमावत ने अपने उद्बोधन में कहा कि हमारे समाज की बालिका शिक्षित होगी तो वह दो परिवारों को शिक्षित करेगी। जिस प्रकार कुमावत समाज बालिका शिक्षा पर समितियों द्वारा जो कार्य कर रही है वह प्रशंसनीय है जिससे बालिका व बालक अपने सपनों को साकार करेंगे।

कार्यक्रम में श्रीमान् एम.एम. टांक द्वारा लिखित पुस्तिका विमोचन किया गया जिसमें पुस्तक का परिचय मदन जी टाँक (क्षत्रिय कुमावत- मेवाड का इतिहास) ने परिचय दिया।

कार्यक्रम अध्यक्ष श्रीमान पन्नालाल जी सरिया ने अपने उद्बोधन में सकारात्मक सोच व दृढ़ निश्चय के साथ आगे बढ़ने के लिये समाज कि महिलाओं एवं विद्यार्थियों को प्रेरित किया एवं इस प्रकार के आयोजन हेतु समिति सदस्यों की प्रशंसा की।

सभी प्रतिभाओं को अंशुल स्मृति में श्री जितेन्द्र जी तुनीवाल द्वारा प्रतीक भेंट की गई। कक्षा 10वीं व 12वीं के टॉपर्स को श्रीमान् अनन्तराम जी झालवार की ओर से 4 विद्यार्थियों को 2500/- राशि प्रदान की गई।

सैकेण्डरी सीनियर सैकण्डरी, स्नातक, उच्च शिक्षा पाठ्यक्रम से 32 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया साथ ही समाज के इस वर्ष सेवानिवृत्त 2 समाजबन्धुओं को शॉल, उपरणा एवं श्रीनाथ जी की तस्वीर से सम्मानित किया गया।

क्षत्रिय कुमावत ट्रस्ट द्वारा जरूरतमंद महिलाओं को 7-7 हजार रूपये का अनुदान दिया गया ।

कार्यक्रम में बी.एल. कुमावत, ओम जी टांक, डॉ. रजनीश कुमावत, नन्दलाल जी कुमावत, अरूण जी अजमेरा,भगवान लाल जी सडुंदिया, हरिश जी ईठारा,पंकज जी जालवार, राजेन्द्र जी तुनीवाल,गोपाल जी जलांधरा कमल जी कुमावत व मनीष कुमावत आदि समाज बन्धुओं की सेवाएं रही।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. आरती कुमावत एवं आभार व धन्यवाद की रस्म श्री जी.एल.कुमावत द्वारा अदा की गई।

युवक-युवती परिचय सम्मेलन सम्पन्न

'अखण्ड कुमावत क्षत्राणी समूह' जयपुर द्वारा विवाह योग्य युवक-युवतियों का 8वां परिचय सम्मेलन बाल निवास, जयपुर में 30 दिसम्बर, 2021 को आयोजित किया। इसमें युवक-युवतियों ने माता-पिता के साथ आकर स्वयं का परिचय दिया। सम्मेलन में विवाह में लेन-देन, दहेज, आटा-साटा आदि बुराइयों पर विचार-विमर्श हुआ तथा इन्हें समाप्त करने का आह्वान किया जिससे वैवाहिक सम्बन्ध करने में आने वाली समस्याएं दूर हो। पधारे हुए लोगों ने 'शगुन में 1 रुपया व नारियल मिशन' को सफल बनाने की सहमति दी।

अन्त में समाज सेविका व मुख्य आयोजक राजबाला बिर्थला ने पधारे हुए समाजजनों का आभार व्यक्त किया तथा आगे भी सहयोग जारी रखने की अपील की।

3 मई को चित्तौड़गढ़ में सामूहिक विवाह होंगे

श्री कुमावत विकास सेवा संस्थान का चतुर्थ सामूहिक विवाह सम्मेलन मंगलवार अक्षय तृतीया 3 मई 2022 को होना निश्चित हुआ है। संस्थान द्वारा वर-वधू से रु 21000/- शुल्क लिया जाएगा तथा वर-वधू को जीवन यापन के लिए आवश्यक गिफ्ट दिए जाएंगे।

इस आदर्श सामूहिक एवं तुलसी विवाह सम्मेलन के लिए वाहन स्टीकर व पम्पलेट का विमोचन किया जा चुका है।

सामूहिक विवाह बसंत पंचमी के बजाए अब सूरत सप्तमी को

कुमावत क्षत्रिय सामूहिक विवाह समिति, जयपुर के अध्यक्ष श्री रमेश राणोलिया ने बताया कि इस बार सामूहिक विवाह बसंत पंचमी के बजाए सूरत सप्तमी 7 फरवरी, 2022 को गोपाल जी की तलाई, सांगानेर, जयपुर में वैवाहिक गार्डन में आयोजित किया जाएगा।

एक अनुकरणीय पहल

बिना दहेज के शादी

कालडेरा निवासी श्री महादेव प्रसाद नेहरा ने अपने सुपौत्र चि. विश्वास (सुपुत्र डॉ. राजेन्द्र प्रसाद नेहरा) की शादी महावीर नगर टोंक रोड,ज यपुर निवासी श्री भंवर लाल कुदीवाल की दोहिती सौ.कां. गौरी (भावना) सुपुत्री श्री हेमराज बड़ीवाल निवासी फुलेरा के साथ 11 दिसम्बर, 2021 को जयपुर में सम्पन्न हुई।

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद नेहरा ने अपने सुपुत्र का रिश्ता तय करने से पहले यह शर्त रखी कि वे बिना दहेज लिए शादी करने की शर्त रखी थी। उनका पुत्र चि. विश्वास गुड़गांव स्थित प्रतिष्ठित कम्पनी डे लाइट में ऑडिट मैनेजर के पद पर कार्यरत है। सौ.कां गौरी (भावना) बचपन से ही अपने नाना श्री भंवरलाल के साथ जयपुर में निवास कर रही है। उसके नाना ने स्वैच्छा से विवाह अपने खर्चे पर किया है। भावना ने RAS की OBC महिला वर्ग की मैरिट में 118वीं रैंक प्राप्त की है।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका बिना दहेज शादी करने की अनुकरणीय पहल का स्वागत करती है तथा वर-वधू के उज्ज्वल भविष्य की कामना करती है।

शिक्षाविद् पूरण चन्द कुमावत का निधन

जयपुर शहर के जाने माने शिक्षाविद् पूरण चन्द कुमावत का गत दिनों निधन हो गया। कुमावत अनेक सामाजिक संस्थाओं और शिक्षा संस्थाओं के संस्थापक और पदाधिकारी रहे हैं। ये जयपुर के पूर्व महापौर श्री विमल कुमावत के बड़े भ्राता थे। इनके पुत्र अरुण कुमावत प्रदेश कांग्रेस एवं सुनील कुमावत बीजेपी में प्रदेश स्तर के पदाधिकारी हैं। कुमावत के निधन पर कांग्रेस एवं भाजपा के अनेक नेताओं ने शोक जताया है।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से श्री पूरण चन्द कुमावत को सादर श्रद्धांजलि।

श्री चैन सुख बड़ीवाल को पितृ शोक

श्री प्रेमचंद जी बड़ीवाल निवासी दहमी कलां, मुख्य आबादी, बगरू, जयपुर का 8 जनवरी 2022 को हृदयगति रुकने से स्वर्गवास हो गया। आप 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के संस्थापक ट्रस्टी श्री सी.एम. बड़ीवाल के छोटे भाई तथा पत्रिका सहयोगी बगरू के श्री चैनसुख बड़ीवाल के पिता थे। आप धार्मिक तथा मृदु स्वभाव के थे।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका परिवार की ओर से सादर श्रद्धाञ्जलि।

कुमावत महासभा का प्रांतीय अधिवेशन झीलों की नगरी उदयपुर में सम्पन्न

भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा का प्रांतीय अधिवेशन , (दक्षिण- पश्चिमी जोन) का महासभा भवन, उदयपुर पर सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महासभा के पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री श्री हरिवल्लभ जी अजमेरा थे , उन्होंने अपने मुख्य आतिथ्य उद्बोधन कहा कि समाज को संगठित करके ही समाज का विकास किया जा सकता है उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वह महासभा के कार्यो में अपना सहयोग प्रदान कर महासभा को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूती प्रदान करें।

कार्यक्रम की अध्यक्षता महासभा के प्रांतीय अध्यक्ष श्री रमेश चन्द्र जी झालवार ने की उन्होंने समाज के लोगो से आह्वान किया कि समाज का प्रत्येक सदस्य महासभा के कार्यो में सहयोग प्रदान कर महासभा को मजबूती से गांव-गांव व ढाणी-ढाणी तक महासभा को पहुँचाये।

प्रांतीय उपाध्यक्ष बाल किशन जी मेरावण्डिया, शोभाग जी सिरोठा ने अपने उद्बोधन में कहा कि समाज मे राजनैतिक, सामाजिक व शैक्षणिक विकास से ही महासभा के विस्तार की बात कही। प्रांतीय महामंत्री दयाशंकर जी रावड़िया ने उदयपुर महासभा भवन की विकास यात्रा पर प्रकाश डालते हुये महासभा को प्रान्त में गांव गांव तक पहुंचाने की बात कही। राष्ट्रीय प्रतिनिधि पाली से नारायण जी कुमावत ने महासभा के माध्यम से राजनैतिक चेतना जगाने की बात कही। राष्ट्रीय प्रतिनिधि मदनसिंह बाबरवाल ने महासभा के वर्तमान कार्यो की जानकारी प्रदान की। राष्ट्रीय प्रतिनिधि रमेश चंद्र बातरा ने समाज विकास के अठारह सूत्रीय कार्यक्रमों से अवगत कराया। राष्ट्रीय प्रतिनिधि हरिसिंह घटेलवाल ने महासभा को और ज्यादा मजबूत करने पर बल दिया। राष्ट्रीय प्रतिनिधि व उदयपुर नगर निगम के पूर्व महापौर युधिष्ठिर जी कुमावत ने समाजजनों को एकजुटता रखते हुए , समाज को हर क्षेत्र में सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक एंव शैक्षणिक विकास की ओर अग्रसर करने का बीड़ा उठाने का वर्तमान समय उपयुक्त बताया।

राष्ट्रीय प्रतिनिधि नीलू जी मेरावण्डिया, जगदीश जी मामोडिया, गोपाल जी ओस्तवाल, दुर्गा लाल जी बंबोरिया व पन्नालाल ईठारा ने भी अपने विचार रखे।

श्री योगेश चोरमा ने कहा कि समाज का विकास तभी होगा जब समाज के अंतिम व्यक्ति तक समाज कार्य करे साथ ही उन्होंने केंद्र व राज्यों की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान कर लाभ दिलाने को कहा।

मातृशक्ति की अध्यक्षा डॉ. मोनिका काकरवाल ने समाज की एक पुस्तकालय व प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए कोचिंग सेंटर संचालित करने की बात कही। कार्यक्रम में नगर महासभा के पूर्व अध्यक्ष श्री हरिशंकर जी खंडारिया ने समाज मे जनगणना करने की बात कही। कार्यक्रम में उदयपुर महासभा के अध्यक्ष युवराज नाहर, महामंत्री मुकेश गोठवाल, विकास संस्थान के महामन्त्री, नवयुवक मंडल के संरक्षक सुधीर पालडिया, नवयुवक मण्डल के अध्यक्ष हितेश घीया, महामन्त्री जितेंद्र टांक, पंकज टांक, अनूप , हरीश ईठारा, डुंगर सिंह जी बबेरिवाल, शंकर जी सलवड़िया, पुष्कर राज जी बबेरिवाल, माणक जी अड़ानिया, पुरषोतम जी उदीवाल ने भी अपने विचार रखे।

कार्यक्रम का संचालन अविनाश बातरा व धन्यवाद प्रांतीय उपाध्यक्ष सरिता टांक ने दिया। कार्यक्रम स्नेहभोज के साथ सम्पन्न हुआ।

कुमावत समाज मण्डी, उदयपुर की नवीन कार्यकारिणी निर्वाचित

कुमावत क्षत्रिय समाज मण्डी, उदयपुर की साधारण सभा की बैठक 19 दिसंबर रविवार को माहेश्वरी समाज के नोहरे में सम्पन्न हुई। बैठक में समाज हित के विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा कर सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किए एवं संगठन के चुनाव कराए गए।

संगठन चुनावों में सर्वसम्मति से अध्यक्ष महेंद्र निगस्वाल, महामंत्री जीवन तुनीवाल, कोषाध्यक्ष प्रकाश वनवड़िया निर्विरोध चुने गए। बैठक में सर्वसम्मति से संरक्षक पद पर श्री राधेश्याम वनवड़िया एवम् घनश्याम पटवा व सलाहकार श्री हरी सिंह गटेलवाल को चुना गया।

नवनियुक्त सभी पदाधिकारियों को तत्पश्चात उपरना पहना कर स्वागत अभिनंदन किया गया।

गंगा कुमारी को 21 किमी दौड़ में स्वर्ण पदक

झुंझुनूं के ग्राम गोवला की बेटी गंगा कुमारी पुत्री श्री बाबूलाल कुमावत ने मोतीलाल कॉलेज में स्टेट लेवल दौड़ प्रतियोगिता 21 किलोमीटर को जीतकर गोल्ड मैडल जीता।

गंगा कुमारी को **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका की ओर से बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामना।

उदय ने तीरंदाजी में जीता रजत

कालवाड़। उदय कुमार झुंझुनोदिया ने नीमराणा (अलवर) में आयोजित राज्य स्तरीय सीनियर तीरंदाजी प्रतियोगिता में रजत पदक जीता है। पदक जीतने पर उदय कुमार का कालवाड़ में स्वागत किया गया।

समाज के प्रतिभावान तीरंदाज उदय कुमार को **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका की ओर से बधाई व उज्ज्वल भविष्य की कामना।

कैसे बनाये पत्रकारिता में कैरियर

न्यूज रिपोर्टर या पत्रकार, मीडिया जिसे डेमोक्रेसी का चौथा स्तम्भ कहा जाता है। यह एक मुख्य पद होता है। देष दुनिया की खबरें आमजन तक पहुँचाना इनका कार्य होता है। महत्वपूर्ण पद होने से लोग इसमे काम करने की इच्छा भी रखते है। किसी-किसी की इसमें अधिक रूचि होती है। आप भी पत्रकारिता में अपना कैरियर बनाना चाहते हैं तो यह जानकारी आपके लिए कारगर हो सकती है। वर्तमान में जर्नलिज़्म फील्ड की परिभाषा काफी लम्बी व विस्तृत हो चुकी है। पत्रकारिकता के वर्तमान में कई स्वरूप आ चुके है। जैसे- प्रिन्ट मीडिया जिसके अन्तर्गत समाचार पत्र, पत्र-पत्रिकाएँ आती है। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया जिसमें रेडियो और टेलीविजन पत्रकारिता आती है। नया फील्ड जिसमें सोशल मीडिया, ऑनलाईन मीडिया, डिजिटल मीडिया आदि प्रमुख है। आप इनमें से किसी भी मीडिया में अपना कैरियर अपनी रूचि के अनुरूप बना सकते है। पत्रकारिता में कैरियर के लिए योग्यता किसी भी स्कूल से 12 वीं उत्तीर्ण होना आवश्यक है। इसके बाद ही पत्रकारिता में डिप्लोमा या बैचलर डिग्री की जा सकती है। ग्रेजुएशन के बाद पत्रकारिता में पीजी डिप्लोमा या मास्टर डिग्री भी की जा सकती है। पीजी डिप्लोमा 1 वर्ष एवं मास्टर डिग्री 2 वर्ष की होती है। मास्टर डिग्री लेने के बाद पीएचडी भी की जा सकती है। कोर्स गवर्नमेन्ट कॉलेज अथवा प्राईवेट कॉलेज से किये जा सकते है।

पत्रकारिता के मुख्य कोर्स निम्न हैः-

■ डिप्लोमा इन जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन, ■ डिप्लोमा इन जर्नलिज्म, ■ बैचलर इन जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन, ■ बी ए इन जर्नलिज्म, ■ बीएससी इन जर्नलिज्म, ■ पीजी डिप्लोमा इन जर्नलिज्म एंड मॉस कम्युनिकेशन, ■ मास्टर इन मास कम्युनिकेशन एंड जर्नलिज्म, ■ एम.ए. इन मास कम्युनिकेशन, ■ पीजी डिप्लोमा इन प्रिन्ट जर्नजिम्म, ■ पीजी डिप्लोमा इन इलेक्ट्रानिक मीडिया

निम्न कॉलेजों से ये कोर्स किये जा सकते हैः-

■ दिल्ली यूनिवर्सिटी, ■ माखन लाल चतुर्वेदी युनिवर्सिटी, भोपाल, ■ चंडीगढ यूनिवर्सिटी, ■ गुरूनानक देव यूनिवर्सिटी अमृतसर, ■ मुम्बई यूनिवर्सिटी, ■ वर्धमान महावीर विश्व विद्यालय कोटा

प्राईवेट एंव गवर्नमेन्ट कॉलेज से उक्त कोर्स करने के बाद इनमें कैरियर बनाया जा सकता हैः- न्यूज पेपर, पत्र पत्रिकाओं में संवाददाता, न्यूज पेपर पत्र-पत्रिकाओं में संपादक, न्यूज पेपर में फोटो जर्नलिस्ट, न्यूज चैनल में न्यूज रिपोर्टर, न्यूज चैनल में एंकर, न्यूज चैनल में वीडियों एडिटर, न्यूज चैनल में कैमरामैन, पब्लिक रिलेशन आदि फील्ड अनेक जॉब के अवसर है इनमें से किसी भी फील्ड में अपना कैरियर बनाया जा सकता है।

- रवि कुमार कुमावत, बीए, एम.जे.एम.सी., सांगानेर, जयपुर।

किसान नेता राकेश टिकैत द्वारा 'दैनिक निरन्तर' के सम्पादक कुमावत का सम्मान

अन्तर्राष्ट्रीय जाट महासभा द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में किसान नेता राकेश टिकैत द्वारा ब्यावर के वरिष्ठ पत्रकार 'दैनिक निरन्तर' के सम्पादक रामप्रसाद कुमावत को प्रखर लेखनी एवम् निष्पक्ष पत्रकारिता के लिए शॉल ओढ़ाकर तथा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। जाट महासभा के अध्यक्ष विरेन्द्रसिंह चौधरी ने भी माला पहनाकर सम्मान किया। ब्यावर के पत्रकारों को सम्मानित होने पर ब्यावर पत्रकार परिषद् के अध्यक्ष प्रमोद वाजपेयी आदि ने स्वागत किया।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से 'दैनिक निरन्तर' ब्यावर के वरिष्ठ पत्रकार सम्पादक रामप्रसाद कुमावत को बधाई।

नव वर्ष

नवजीवन हो पुलकित मन हो
नव वर्ष में हो, सर्वत्र नया
बीत गया जो, जाने दो,
अनुभव ले उससे आगे बढ़ो
धरा भी धारण करती नवजीवन को
वृक्षों पर आती नई कोपलें,
तुम भी हो जाओ प्रकृति संग
नव मानव तुम भी हो जाओ।
सोच नई धारा नई,
उन्मुक्त हर विचार हो,
योग हो कर्म हो,
अध्यात्म का साथ हो।
नवजीवन हो पुलकित मन हो,
नव वर्ष में हो, सर्वत्र नया।
जीवन जीने को है तुम क्यों ना जिओ,
यह विचार करो,
छोड़ो अपने बुरे विचार।
अपना लो नए आचार विचार
जीवन जीने की नई कला,
तुम सीखो और संवार लो।
कितने यहां थमे पड़े हैं, जमे पड़े हैं, टिके पड़े हैं,
तुम लहरें बनो, हिलोरे बनो,
सैलाब को अब आने दो।
बहते पानी की कलरव ही प्यास बुझाती है
ठहरे पानी पर तो काई ही डेरा डाले हैं।
जोश भरो मन में होश भरो तन में
सोच रखो ऊंची,
ऊंची तुम फलांग भरो।
निकलो अपनी मांद से, जहां को
अब तुम रोशन करो,
जी लिए स्वयं के लिए, अब दूसरों को संबल प्रदान करो।
आया है ये नववर्ष, किसी की नाव के तुम पतवार बनो,
नवजीवन हो पुलकित मन हो नव
वर्ष में हो सर्वत्र नया।

- रवीना तोंदवाल

स्वामी विवेकानन्द

स्वामी विवेकानंद भारतीय अध्यात्म और संस्कृति को विश्व में अभूतपूर्व पहचान दिलाने का सबसे बड़ा श्रेय जाता है। स्वामी विवेकानंद ने तीस वर्ष की आयु में शिकागो पार्लियामेंट ऑफ रिलीजन में 11 सितंबर, 1893 को जो भाषण दिया तथा भारत को सार्वभौमिक पहचान दिलवायी, उसे आज भी लोग याद करते हैं। भारतीय संस्कृति को विश्व स्तर पर पहचान दिलाने वाले विवेकानंद जी का जन्म 12 जनवरी, सन् 1863 को हुआ। उनका घर का नाम नरेंद्र दत्त था। संन्यास लेने के बाद इनका नाम विवेकानंद हुआ।

रामकृष्ण परमहंस की प्रशंसा सुनकर नरेंद्र तर्क करने के विचार से उनके पास गए लेकिन उनके विचारों और सिद्धांतों से प्रभावित हो उन्हें अपना गुरू मान लिया। जिनकी कृपा से इन्हें आत्म-साक्षात्कार हुआ जिसके फलस्वरूप कुछ समय बाद वे उनके प्रमुख शिष्य हो गए।

उन्होंने पैदल ही पूरे भारतवर्ष की यात्रा की। जब वे अमेरिका पहुंचे तो अमेरिका में उनका बहुत स्वागत हुआ। वहां इनके भक्तों का एक बड़ा समुदाय हो गया। तीन वर्ष तक वे अमेरिका में ही रहे और वहां के लोगों को भारतीय तत्वज्ञान की अद्भुत ज्योति प्रदान करते रहे।

स्वामी विवेकानंदजी का दृढ़ विश्वास था कि 'अध्यात्म-विद्या और भारतीय दर्शन के बिना विश्व अनाथ हो जाएगा।' अमेरिका में उन्होंने रामकृष्ण मिशन की अनेक शाखाएँ स्थापित की तथा अमेरिकन विद्वानों ने उनका शिष्यत्व ग्रहण किया। वे सदा खुद को गरीबों का सेवक मानते थे तथा मानवता का साकार रूप थे। 4 जुलाई, 1902 को उन्होंने अलौकिक रूप से अपना देह त्याग किया।

स्वराज्य के लिए आध्यात्मिक प्रेरणा प्रदान करने का कार्य स्वामी विवेकानन्द ने किया। उनका कहना था कि **उठो जागो और तब तक ना रुको जब तक मंजिल प्राप्त न हो जाए,** स्वामी विवेकानंद के यही आदर्श आध्यात्मिक युवाओं के लिए एक बेहतरीन प्रेरणास्त्रोत हैं।

रोमां रोलां ने उनके बारे में कहा था-उनके द्वितीय होने की कल्पना करना भी असम्भव है, वे जहाँ भी गये, सर्वप्रथम ही रहे। हर कोई उनमें अपने नेता का दिग्दर्शन करता था। वे ईश्वर के प्रतिनिधि थे और सब पर प्रभुत्व प्राप्त कर लेना ही उनकी विशिष्टता थी।

वे केवल सन्त ही नहीं, एक महान देशभक्त, वक्ता, विचारक, लेखक और मानव-प्रेमी भी थे। अमेरिका से लौटकर उन्होंने देशवासियों का आह्वान करते हुए कहा था-'नया भारत निकल पड़े मोची की दुकान से, भड़भूँजे के भाड़ से, कारखाने से, हाट से, बाजार से; निकल पडे झाड़ियों, जंगलों, पहाड़ों, पर्वतों से।' और जनता ने स्वामी की पुकार का उत्तर दिया। वह गर्व के साथ निकल पड़ी।

वे मानते थे कि धर्म, व्यक्ति और राष्ट्र दोनों को ही शक्ति देता और भविष्य में धर्म ही भारत के राष्ट्रीय जीवन का मेरूदण्ड बनेगा। युवाओं को दिशा देने हेतु, भयमुक्त होकर देश के गौरव को बढ़ाने हेतु, हमें उनके विचारों की महत्ती आवश्यकता है। - **रमेश कुमावत (गैदर)**

विभिन्न संस्थानों में नई भर्तियों हेतु आवेदन आमंत्रित

संकलनकर्ता **मनीष कुमावत,** सांगानेर

क्र. सं.	विभाग का नाम	पद का नाम	पदों की संख्या	वेतनमान / लेवल	अधिकतम आयु	योग्यता	अंतिम तिथि	वेबसाईट का पता
1	केन्द्रीय भूजलबोर्ड, बैंगलोरू	कारचालक	15	लेवल–2	27	10वीं, हैवीलाईसेंस एवं 3 वर्षीय अनुभव	1.2.22	www.cgwb.gov.in
2	खाद्य प्रसंस्करणउद्योगमंत्रालय,	मेनेजर	25	लेवल–10	30	MBA एवं अनुभव	1.2.22	https://www.justjob.co.in /mofpi/
3	कर्मचारी राज्य बीमा निगम	वरिष्ठसहायक, कनिष्ठसहायक, एम टी एस	3500	लेवल–4	30	12वीं एवं 10वीं	7.2.22	www.esic.nic.in
4	नवोदय विद्यालय समिति	स्टेनोग्राफर	22	लेवल–4	30	12 वीं	10.2.22	https://navodaya.gov.in
5	नवोदय विद्यालय समिति	कम्प्यूटरप्रोग्रामर	4	लेवल–6	35	स्नातक एवं 1 वर्षीय डिप्लोमा	10.2.22	
6	नवोदय विद्यालय समिति	कनिष्ठविभागीय सहायक	630	लेवल–4	40	12 वीं	10.2.22	
7	नवोदय विद्यालय समिति	कनिष्ठअनुवादक	4	लेवल.–6	27	स्नातक	10.2.22	
8	नवोदय विद्यालय समिति	एम टी एस	23	लेवल.–2	27	10 वीं	10.2.22	
9	नवोदय विद्यालय समिति	अन्य भर्तीयाँ	1242	लेवल–2 से 8	35	12 वीं एवं स्नातक	10.2.22	केवल ऑन लाइन आवेदन मान्य

श्री बाबूलाल ब्याड़वाल

श्री बाबूलाल कुमावत (बी.एल. कुमावत) का जन्म 1 जनवरी 1942 को जयपुर में श्रीमती मूली देवी-श्री सुखलाल ब्याड़वाल के परिवार में हुआ। आपके पिता कुमावत समाज में सुखजी पटेल के नाम से जाने जाते थे। आप प्रारम्भ से ही प्रतिभावान छात्र रहे तथा राजस्थान विश्वविद्यालय के कामर्स कॉलेज से वर्ष 1965 में तब एम.कॉम किया जब हमारे समाज में अधिकांश बच्चे पढ़ते ही नहीं थे।

आपका विवाह कंचन सुपुत्री श्रीमती तीजा देवी-श्री लक्ष्मी नारायण गैदर निवासी टोंक फाटक, जयपुर के साथ हुआ जिसने परिवार का कुशलता से संचालन किया एवं एकसूत्र में बांधे रखा। आपकी राज्य सेवा में नियुक्ति वाणिज्यिक कर विभाग राजस्थान में सर्वप्रथम कनिष्ठ लिपिक के पद पर हुई, योग्यता के आधार पर आपका सांख्यिकी निरीक्षक पद पर चयन हो गया। केडर परिवर्तन के कारण आप वर्ष 1968 में वाणिज्यिक कर निरीक्षक बनाये गये एवं श्रीगंगानगर में पदस्थापित हुए। पदोन्नत होकर वर्ष 1978 में सहायक वाणिज्यिक कर अधिकारी, वर्ष 1995 में वाणिज्यिक का अधिकारी तथा वर्ष 1997 में मेरिट आधार पर सहायक आयुक्त बने। आप 34 वर्ष वाणिज्यिक कर विभाग में गरिमामय सेवा कर 31 दिसम्बर, 1999 को राज्य सेवा से सेवानिवृत्त हुए। आप जहां भी रहे अपने कार्य एवं व्यवहार से व्यवसाय जगत का दिल जीता। इसलिए वहाँ के लोग आज भी आपके सम्पर्क में हैं।

आपके 3 भ्राताओं का युवावस्था में ही स्वर्गवास हो जाने से आपको गहरा आघात लगा किन्तु आपने हिम्मत नहीं हारी। आपने तीनों भाईयों के परिवार को सम्बल दिया। उनके बच्चों की परवरिश, शिक्षा आदि की जिम्मेदारी को तन-मन-धन से निभाया तथा उन्हें आत्मनिर्भर बनाया।

सेवानिवृत्ति के बाद आप समाजसेवा में जुट गये। आप ''कुमावत क्षत्रिय विकास समिति, बरकत नगर टोंक फाटक, जयपुर'' के वर्ष 2009 से लगातार अध्यक्ष चुने जाते रहे हैं। क्षेत्र के लोगों के सुख-दु:ख में आप सदैव खड़े पाये जाते हैं। आप कुमावत क्षत्रिय सामूहिक विवाह समिति, जयपुर एवं कुमावत समाज भवन निर्माण समिति, मालवीय नगर, जयपुर के 3-3 वर्ष मुख्य संरक्षक के रूप में सेवाएँ दे चुके हैं।

समिति की गतिविधियों के संचालन हेतु कोई भवन नहीं था। अत: समाज भवन हेतु विनोबा बस्ती बरकत नगर, जयपुर में प्लाट नं. 7 गिफ्ट करवाया जहाँ आपके अथक प्रयासों से 'बाबा रामदेव मंदिर' एवं समिति कार्यालय का निर्माण किया जा रहा है।

आप 1 जनवरी 2022 को 80 वर्ष के हो चुके हैं फिर भी पूरे उत्साह से इस मंदिर व समिति कार्यालय के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रहे हैं। आपके जीवन से प्रेरणा मिलती है कि हम सभी अपने परिवार की एकता पर ध्यान दें, संकट आने पर भी परिवार के प्रति जिम्मेदारी निभाएँ तथा समाज के लिए समर्पित भाव से कार्य करें।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका परिवार आपके अच्छे स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना करती है।

स्वामिनी सेवा संस्था के नववर्ष-2022 कैलेंडर का हुआ विमोचन

स्वामिनी सेवा संस्था के वर्ष-2022 कैलेंडर का विमोचन पूर्व उपमहापौर व भाजपा जयपुर शहर उपाध्यक्ष **विमल जी कुमावत** द्वारा किया गया। सर्वप्रथम संस्था के अध्यक्ष अशोक कुमावत ने माला पहनाकर व गुलदस्ता भेंट कर श्री विमल जी कुमावत का सम्मान किया। राजस्थानी परम्परा अनुसार अतिथियों का दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया गया। श्री अशोक कुमावत ने बताया कि कैलेंडर पर जयपुर के आराध्य देव गोविन्द देवजी की विशेष फोटो, विशेष कागज पर प्रिंट करवाई गई है। श्री विमल कुमावत ने कैलेंडर की प्रशंसा करते हुए कहा कि कैलेंडर में एकत्रित जानकारी व प्रिंटिंग आकर्षक एवं प्रशंसनीय है।

इस अवसर पर टीम चेतन धुंधारिया के संस्थापक चेतन कुमावत, **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका के अध्यक्ष रमेश गैदर, जयसिंह गुडीवाल सह सम्पादक, खेमचंद खड़गटा व्यवस्थापक मंडल सदस्य, राकेश कुमावत एडवोकेट वरिष्ठ विधि सलाहकार राजस्थान कुमावत युवा शक्ति जयपुर, विजय कारगवाल, स्वामिनी संस्था के गोविन्द वर्मा मंत्री, किशन कुमावत कोषाध्यक्ष, गुरुदयाल वर्मा प्रचार मंत्री, महेन्द्र कुमावत सहायक मंत्री मौजूद थे।

कुमावत समाज ने मालवीय नगर समिति को अतिरिक्त भूमि देने पर आभार जताया

कुमावत क्षत्रिय समाज विकास समिति, मालवीय नगर, जयपुर को पूर्व में 1000 वर्ग गज भूमि त्रिभुजाकार आवंटित हुई थी। इस भूमि पर बेसमेंट, भूतल एवं प्रथम तल पर कमरों का निर्माण किया जा रहा है जो अंतिम चरण में है। यह भूमि वास्तु अनुकूल नहीं थी। समिति ने जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) से निवेदन किया था कि कुछ और भूमि (जो रिक्त थी) आवंटित करके भूखण्ड को आयातकार कर दिया जावे।

श्री मुकेश वर्मा (मरोडिया) प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव के प्रयासों से मालवीय नगर समिति को 187.48 वर्गमीटर भूमि और आवंटित हुई। 17 जनवरी 2022 को श्री मुकेश वर्मा के नेतृत्व में रमेश गैदर अध्यक्ष मालवीय नगर समिति, हरिश पारमवाल भवन निर्माण समिति, भामाशाह भींवाराम पन्नालाल एवं समाज के गणमान्य लोगों का प्रतिनिधि मण्डल जेडीए के आयुक्त श्री गौरव गोयल से मिला। समाज हेतु अतिरिक्त भूमि आवंटित करने के लिए उन्हें धन्यवाद ज्ञापित कर उन्हें 10.61 लाख रुपये का चैक सौंपा। श्री गोयल ने भूमि आवंटन में श्री मुकेश वर्मा के प्रयासों की सराहना की। श्री मुकेश वर्मा एवं समाजजनों ने जननेता व माननीय मुख्यमंत्री अशोक गहलोत तथा स्वायत्त शासन मंत्री माननीय शांति धारीवाल का भी आभार प्रकट किया।

कुमावत क्षत्रिय समाज विकास समिति, मालवीय नगर, जयपुर की कार्यकारिणी की ओर से रमेश गैदर (अध्यक्ष) व गौरव अजमेरा ने अतिरिक्त भूमि क्रय हेतु 'भवन समिति' के अध्यक्ष श्री हरिश पारमवाल को दी गई सहयोग राशि के लिए समाज के भामाशाहों का आभार प्रकट किया। राजस्थान क्षत्रिय कुमावत युवा शक्ति समिति, जयपुर की ओर से जिलाध्यक्ष पंकज सिरोहिया एवं पदाधिकारियों ने भी आभार प्रकट किया है।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से कुमावत क्षत्रिय समाज विकास समिति, मालवीय नगर, जयपुर एवं भवन निर्माण समिति को हार्दिक बधाई। आशा है अतिशीघ्र यह सामुदायिक भवन पूर्ण हो जाएगा व समाजबन्धुओं के उपयोग हेतु उपलब्ध होगा। भामाशाहों से निवेदन है कि इस भवन को तैयार करने हेतु सहयोग राशि उपलब्ध कराते रहें जिससे आगामी रामनवमी के अवसर पर इस भवन का प्रस्तावित लोकार्पण किया जाना सम्भव हो पाये।

मनीष कुमावत सम्पादक मंडल सदस्य मनोनीत

श्री मनीष कुमावत (दौराया) पुत्र श्री कजोड़मल कुमावत निवासी-माल की ढ़ाणी, सांगानेर, जयपुर जो एम.कॉम (International Business Operation & ABST), PGDDE, PGDIBO, CLIS, CCITSK, CCLBL है एवं वर्तमान में MBA में अध्ययनरत हैं, को 'कुमावत इंडिया' पत्रिका में सम्पादक मंडल सदस्य मनोनीत किया गया है। आप कुमावत इंडिया पत्रिका में नौकरियों की रिक्तयों के संबंध में जानकारी उपलब्ध करा रहे हैं। आप इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू), जयपुर में कार्यालय सहायक के पद पर कार्यरत हैं। आपके सम्पादक मण्डल सदस्य बनने से पत्रिका के लिए आपकी और अधिक सेवाएँ उपलब्ध हो सकेगी।

अशोक कुमावत व्यवस्थापक मंडल सदस्य मनोनीत

श्री अशोक कुमावत (भौंरोदिया) पुत्र स्व. श्री चौगान लाल जी भौंरोदिया निवासी कुमावत कॉलोनी, कुमावत स्कूल के पीछे, सोडाला, जयपुर को उनके उत्कृष्ट कार्यों को देखते हुए 'कुमावत इंडिया' पत्रिका में व्यवस्थापक मंडल सदस्य मनोनीत किया गया है। आपकी फर्म घनश्याम फोटो लेमीनेशन एण्ड फ्रेंमिंग है। आप 'स्वामिनी सेवा संस्था' के अध्यक्ष हैं। यह संस्था प्रत्येक अमावस्या को एस.एम.एस. हॉस्पिटल की बांगड इकाई में गरीबों को नि:शुल्क भोजन उपलब्ध कराती है। संस्था वर्ष में 2 बार ब्लड कैम्प तथा प्रत्येक 3 माह में चिकित्सा शिविर का आयोजन करवाती है।

श्रीमती शशिकला बालोदिया व्यवस्थापक मण्डल सदस्या नियुक्त

श्रीमती शशिकला बालोदिया निवासी महारानी फार्म, दुर्गापुरा, जयपुर को 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के व्यवस्थापक मंडल सदस्य नियुक्त किया गया है। इनका माला पहना कर स्वागत किया गया। आप कुमावत प्रगति ट्रस्ट के भूतपूर्व ट्रस्ट सचिव स्व. श्री विनोद बालोदिया की पत्नी हैं। आप समाज में प्रगतिशील विचारों को प्रोत्साहन देने वाली महिला हैं। श्रीमती शशिकला बालोदिया को 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई। 'कुमावत इंडिया' पत्रिका इन सभी के उज्ज्वल भविष्य की कामना करती है।

टीम चेतन धुंधारिया द्वारा कोरोना जनजागरूकता अभियान

मकर संक्रान्ति के अवसर पर 10 हजार पतंगों का वितरण

टीम चेतन धुंधारिया द्वारा कोरोना से बचाव व लोगों को वैक्सीनेशन करवाने के लिए एक जनजारूकता अभियान की शुरूआत की गई। कार्यक्रम का शुभारम्भ पूर्व भाजपा प्रदेशाध्यक्ष व पूर्व सिविल लाईन विधायक माननीय अरूण चतुर्वेदी द्वारा किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत झोटवाडा व सी-स्कीम क्षेत्र में पतंगें वितरण कर किया गया। टीम चेतन धुंधारिया के प्रवक्ता जयसिंह गुडीवाल ने बताया कि मकर संक्रान्ति के अवसर पर 10,000 पतंगें प्रिंट करवाई गई है। पतंगों पर मास्क

लगाने व वैक्सीनेशन करवाने की अपील की गई है। पतंग पर एक स्लोगन लिखवाया गया **''सबको देना होगा साथ, तभी दे पायेंगे कोरोना को मात।''** जो काफी लोकप्रिय हुआ। पतंगों का वितरण विभिन्न क्षेत्रों में किया गया साथ ही टीम द्वारा वैक्सीन लगवाने, मास्क लगाने व सोशल डिस्टेंसिंग की पालना करने की अपील व समझाईश की गई। श्री चतुर्वेदी ने कहा कि टीम चेतन धुंधारिया द्वारा पतंगों के माध्यम से यह संदेश दिया गया है, वह बहुत ही सराहनीय व प्रंशसनीय कार्य है। मैं पूरी टीम को शुभकामनाएँ देता हूँ कि टीम इसी प्रकार कार्य करती रहे।

टीम चेतन धुंधारिया के संस्थापक चेतन धुंधारिया ने बताया कि कोरोना वायरस के कारण हमारे जीवन में व्यापक बदलाव आए है ना केवल हमारे निजी जीवन पर बल्कि हमारे रिश्तों पर प्रभाव पडा है लेकिन महामारी के इस दौर में हमें अपना व अपनों का बचाव करना है। इसलिए पतंगों के माध्यम से मास्क लगाने, वैक्सीन लगवाने के लिए प्रेरित किया गया है। कार्यक्रम में चेतन कुमावत, राजेश धुंधारिया पार्षद, चेतन बालोदिया, जयसिंह गुडीवाल, खेमचंद खडगटा, राकेश कुमावत एडवोकेट, प्रथम कुमावत, ओमप्रकाश मौजूद रहे।

वैवाहिक

Ayushi Kumawat

Date & Time of birth : 08 October 1994
Height : 5'1"
Education : B.Tech (ECE)
Occupation : Cooperative Inspector - R.A.S. 2018 Batch

FAMILY DETAILS

Father's name : Shri Rajesh Kumar Verma
Occupation : AAO 1st (Retired)
Mother's Name : Mrs. Urmila Verma
Occupation : House Wife
Sibling : Rajni Rajoria-Teacher 2nd Grade
Itee Rajoria-Teacher 3rd Grade
Priya Rajoria-AAO II JVVNL
Priti Rajoria-Jr. Acct. Coperative Registerar
Rishi Gotra : Self-Rajoria Mother-Khowal
Dadi- Jagnathya Nani-Dhundariya

M81, 6D Engineers Colony, Maniyawas, New Sanganer Road
Jaipur M. : 9928390510

टीम चेतन धुंधारिया के प्रवक्ता, भाजपा वार्ड 141 के अध्यक्ष
व कुमावत इंडिया पत्रिका के सह-सम्पादक

जयसिंह गुडीवाल को

10 Feb. वें जन्मदिवस की

हार्दिक बधाई व शुभकामनाएँ

शुभेच्छु :

राकेश कुमावत
एडवोकेट राजस्थान उच्च न्यायालय
मो. 9829152561

खेमचन्द खड़गटा
व्यवस्थापक मंडल सदस्य, कुमावत इंडिया पत्रिका
सदस्य, टीम चेतन धुंधारिया
मो. 9829140629

स्वर्गीय श्री मुन्ना लाल जी वर्मा

श्री मुन्ना लाल वर्मा (तोंदवाल) का जन्म जयपुर में 24-10-1940 को हुआ था। इन्होंने असाधारण परिस्थितियों में अपनी प्रारंभिक शिक्षा पूरी की तथा दिल्ली यूनिवर्सिटी से स्नातक की डिग्री प्राप्त की। स्नातक के बाद इनका चयन चिकित्सा विभाग में हुआ और नौकरी करते हुए इन्होंने सायंकालीन कक्षाओं में प्रवेश लेकर एलएलबी किया। इन्होंने प्रयास किया कि कोई भी छात्र आर्थिक कारण से अपनी पढ़ाई ना छोड़े। फूड इंस्पेक्टर के पद पर रहते हुए इन्होंने कई मिलावटखोरों पर कार्यवाही करके केस भी किए। राज्य सेवा में रहते हुए बूंदी जिले में मिलावट करने वालों में इनका खौफ हुआ करता था। मुन्ना लाल जी सन् 1999 में सेवानिवृत्त हुए। इसके बाद उन्होंने वकालत प्रारम्भ की तथा अपने अंतिम समय तक भी वकालत करते रहे। 80 वर्ष की आयु में भी वे सक्रिय, ऊर्जावान व आत्म नियंत्रण का जीता जागता उदाहरण थे। इन्हें कोई बुरी आदत नहीं रही। इनका जीवन समाज के लिए प्रेरणा पुंज रहा। प्रथम पुण्यतिथि पर उन्हें सादर नमन।

श्रद्धांजलि

हमारे बहनोई

डॉ. नेमीचन्द घोड़ेला

(बांदरी का नासिक, जयपुर)

परिश्रम आपका कर्तव्य और परमार्थ आपकी भक्ति थी।
कर्म का कभी एहसास नहीं कराया।
आपकी स्मृतियों को शत-शत नमन

हमारे बहनोई स्व. श्री नेमीचंद जी कुमावत घोड़ेला (डॉक्टर साहब) का आकस्मिक स्वर्गवास दिनांक 28 दिसंबर 2021 को हो जाने पर हम सभी परिवारजन उन्हें अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धान्वत

लालचन्द-विमला, सुरेश-अनिता (साले-सालज)
आदित्य-नेहा, राहुल, नीरज एवं समस्त धुंधारिया परिवार।

विज्ञापन

बी-137 बी, आनन्दपुरी, जयपुर
शिव विहार कॉलोनी, रंगोली गार्डन के पास, जयपुर

आभार

हमारे प्रिय

डॉ. नेमीचन्द घोड़ेला

28 दिसम्बर 2021

को बैकुण्ठवास हो जाने पर समाज बन्धुओं, सगे सम्बन्धियों, राजनेताओं, शुभ चिन्तकों, मित्रगणों एवं सामाजिक संस्थाओं, संगठनों के पदाधिकारियों के व्यक्तिगत उपस्थित होकर संवेदना संदेशों, दूरभाष, वाट्सएप, मोबाईल आदि द्वारा इस दुःख की घड़ी में हमें एवं परिवार को सम्बल दिया एवं मनोबल बढ़ाया।
इसके लिए हम सब परिवारजन आप सभी का हृदय से आभार व्यक्त करते हैं।

आभारी

विज्ञापन

धर्मपत्नी: श्रीमति रुकमणी देवी, पुत्र-पुत्रवधू: मोहन-सुनीता, नवीन-लक्ष्मी, पवन-मधु, पुत्री-दामाद: राधेश्याम-सोनू, दीपक-मोनू, वर्षा, सुहानी, भ्राता: संतोष-किरण, स्व. दीपक-मीना, प्रभुनारायण- दीपिका, प्रेमनारायण-इन्दिरा, गणेशनारायण-संजू, भतीजे: अशोक, मुकेश, नीरज, कमल, सुनील, मन्नु, यशु, साहिल, करण पौत्र-पौत्री: रोहित, सचिन, निश्चल, पार्थ, दक्ष, रितकृति, टीना, पूर्विका एवं समस्त घोड़ेला परिवार।

मो. 9928010066, 9829807777, 9829101234

श्रद्धांजलि

(जन्म 24.10.1940-स्वर्गवास 7.1.2021)

हमारे प्रिय

स्व. श्री मुन्ना लाल वर्मा (तोंदवाल)

प्रथम पुण्य तिथि पर सादर नमन

श्रद्धान्वत

पत्नी : मनोरमा देवी
पुत्र-पुत्रवधू : संजय वर्मा- मीनाक्षी वर्मा
नितिन वर्मा-रवीना कुमावत
पुत्री-दामाद : भारती कुमावत-मोहनलाल कुमावत (रिटायर्ड मुख्य लेखा अधिकारी),
पौत्र : चिराग, चिनार, तनिष्क, प्रत्यक्ष
एवं समस्त तोंदवाल परिवार

विज्ञापन

गणतंत्र दिवस (Republic Day)

भारत के आज़ाद हो जाने के बाद संविधान सभा की घोषणा हुई। इसने अपना कार्य 9 दिसम्बर 1947 से शुरू किया। संविधान सभा के सदस्य भारत के राज्यों की सभाओं के निर्वाचित सदस्यों के द्वारा चुने गए थे। संविधान निर्माण में कुल 22 समितियां थी, जिसमें प्रारूप समिति (ड्राफ्टिंग कमेटी) का कार्य संपूर्ण 'संविधान लिखना' या 'निर्माण करना' था।

संविधान बनाने वाली प्रारूप समिति के अध्यक्ष भीमराव अंबेडकर थे। जवाहरलाल नेहरू, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, सरदार वल्लभ भाई पटेल, मौलाना अबुल कलाम आजाद आदि इस सभा के प्रमुख सदस्य थे। इस समिति ने संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र प्रसाद को 26 नवंबर 1949 को 2 वर्ष 11 महीने और 18 दिनों में भारत का संविधान तैयार कर उन्हें सुपुर्द किया। उसी दिन भारतीय संविधान सभा द्वारा संविधान को अंगीकार किया गया।

संविधान को 26 जनवरी 1950 को सुबह 10:18 बजे लागू किया गया। भारत में हर साल इस दिन गणतंत्र दिवस मनाया जाता है। इस साल देश 73वां गणतंत्र दिवस मना रहा है।

हमारा संविधान विश्व का सबसे बड़ा लिखित संविधान है।

गणतंत्र दिवस से जुडे महत्वपूर्ण तथ्य

1. दिल्ली में राजपथ पर गणतंत्र दिवस की परेड व रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होते है। यह परेड आठ किलोमीटर की होती है और इसकी शुरुआत रायसीना हिल से होती है, उसके बाद राजपथ, इंडिया गेट से होते हुए ये लाल किले पर समाप्त होती है। इस परेड में भारत के सशस्त्र बलों की सैन्य क्षमता व शौर्य का प्रदर्शन किया जाता है।

2. पूर्ण स्वराज दिवस 26 जनवरी 1930 से मनाया जा रहा था, इसके महत्व को ध्यान में रखते हुए भारत के संविधान को 26 जनवरी 1950 को लागू किया गया था।

3. राष्ट्रगान के दौरान 21 तोपों की सलामी दी जाती है। 21 तोपों की सलामी राष्ट्रगान की शुरूआत से शुरू होती है और 52 सेकेंड के राष्ट्रगान के खत्म होने के साथ पूरी हो जाती है।

4.गणतंत्र दिवस समारोह में विदेशी राष्ट्राध्यक्ष को आमंत्रित किया जाता है।

5 गणतंत्र दिवस पर राज्यों एवं राजकीय उपक्रमों की आकर्षक झाकियां निकलती हैं। जिन्हें देखने के लिए कई लोग इंडिया गेट जाते हैं। इस कार्यक्रम का टीवी पर लाइव प्रसारण भी किया जाता है।

महिला न्यायिक अधिकारियों का सम्मान

26.12.2021 को सांगानेर, जयपुर में सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा (रजि.) के महिला मोर्चा द्वारा आयोजित सम्मान समारोह का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि उर्मिला वर्मा सदस्य राजस्थान राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग जयपुर, विशिष्ठ अतिथि सुश्री नेहा कुमावत सिविल न्यायाधीश सांगानेर जयपुर तथा सुश्री नेहा वर्मा सिविल न्यायाधीश ग्राम न्यायालय गंगापुरसिटी सवाईमाधोपुर का सम्मान किया गया।

इस आयोजन में सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता तथा गणमान्य समाजबंधु उपस्थित थे। मुख्य अतिथि उर्मिला वर्मा ने कहा कि समाज के लोगों को महिला उत्थान के लिए सर्वप्रथम परिवार के द्वारा ही प्रोत्साहन दिया जाना चाहिए ताकि वर्तमान परिस्थितियों में अन्य समाज के लोगों के बीच अपनी प्रतिभा दिखा सकें।

सुश्री नेहा वर्मा ने समाज द्वारा सम्मानित किए जाने पर आत्मविभोर होकर खुशी प्रकट की। इस अवसर पर सुश्री नेहा वर्मा की माताजी-पिताजी भी उपस्थित थे।

समारोह में सर्वकुमावत महासभा के अध्यक्ष रामेश्वर बम्बोरिया ने कहा कि न्यायिक क्षेत्र में हमारे समाज के बहुत कम लोग हैं। न्यायालय में समाज के लोग जहां पर झूठे मुकदमों में फंस जाते हैं वहां समाज के न्यायिक अधिकारियों द्वारा उनकी सहायता करने का प्रयास किया जाना चाहिए।

सम्मान समारोह के आयोजक श्री सोहन लाल अजमेरा, सांगानेर, जयपुर थे। उन्होंने अन्त में सभी अतिथियों, पधारे हुए पदाधिकारियों एवं समाजजनों का आभार प्रकट किया।

704 यूनिट रक्तदान

कुमावत युवा शक्ति सेवा समिति (रजि), उगरियावास द्वारा आयोजित आठवें विशाल रक्तदान शिविर में 704 रक्त दाताओं ने रक्तदान किया।

सिंदूर से बिछिया तक स्त्रियों के सोलह शृंगार का राज

पुराणों के अनुसार, सोलह शृंगार घर में सुख समृद्धि लाने के लिए किया जाता है। हिंदू परम्परा में शादीशुदा महिलाओं के सोलह शृंगार का विशेष महत्व है। महिलाओं का सोलह शृंगार करना जरूरी माना गया हैं। सोलह श्रृंगार एक ऐसी रस्म है, जिसके तहत महिलाएं सिर से लेकर पैर तक कुछ न कुछ सुहाग की निशानी को पहनती हैं। इसमें माथे पर बिंदी, मांग में सिंदूर, हाथों में चूड़ी-कंगन और पैरों में पायल जैसी चीजें शामिल होती हैं। अधिकतर लोग इसे सिर्फ महिलाओं के सौंदर्य बढ़ाने का साधन मात्र समझते हैं, लेकिन ऐसा नहीं है। शृंगार महिलाओं की खूबसूरती में चार चांद तो लगाता ही है, खूबसूरती के साथ-साथ इसमें सेहत से जुड़े कई राज भी शामिल है। सोलह शृंगार के वैज्ञानिक कारण भी है। शृंगार के जरिए शरीर के उन स्थानों पर दवाब पड़ता है जो एक्यूप्रेशर का काम करते हैं और आपको स्वस्थ रखने में मददगार साबित होते है-

1. तनाव को कम करता है सिंदूर : धार्मिक मान्यता है कि सिंदूर लगाने से पति की उम्र बढ़ती है। दरअसल ये बातें पति से इसलिए जोड़ी गई हैं ताकि महिलाएँ इसका पालन आवश्यक रूप से करें। दरअसल मस्तिष्क के बीच के स्थान पर बनी ब्रहमरंध्र ग्रंथि काफी संवेदनशील और अहम होती है। ये महिलाओं के अग्रभाग से शुरू होती है और बीच पर जाकर समाप्त होती है। इसी स्थान पर सिंदूर लगाया जाता है। सिंदूर में पारा होता है जो ब्रहमरंध्र ग्रंथि के लिए काफी फायदेमंद होता है। यह महिलाओं को शीतलता प्रदान करता है, उनके तनाव को कम करता है और दिमाग को शांत रखता है।

2. रक्त प्रवाह को संतुलित करती है बिछिया : बिछिया हमेशा पैरों की दूसरी अंगुली में पहनी जाती है। धार्मिक दृष्टि से इसे शुभ माना जाता है, लेकिन वैज्ञानिक दृष्टि से देखा जाए तो यह महिलाओं की प्रजनन क्षमता बढ़ाने में मददगार है। बिछिया साइटिक नर्व दबाती है जिससे आस-पास की नसों में रक्त का प्रवाह तेज होता है और गर्भाशय, पित्ताशय व आंतों में रक्त प्रवाह संतुलित रहता है।

3. एकाग्रता बढाती है बिंदी : शादी से पहले महिलाएँ सौंदर्य के लिए बिंदी लगाती हैं, लेकिन शादी के बाद ये उनके लिए आवश्यक माना गया है। भौंहों के बीच में बिंदी लगाई जाती है। धार्मिक मान्यता के अनुसार बिंदी को त्रिनेत्र का प्रतीक माना गया है। दो नेत्रों को सूर्य व चंद्रमा माना गया है। जो वर्तमान व भूतकाल देखते हैं तथा बिंदी त्रिनेत्र के प्रतीक के रूप में भविष्य में आने वाले संकेतों की ओर इशारा करती है। विज्ञान के अनुसार, इस स्थान पर आज्ञा चक्र होता है जो मन को एकाग्र करने में मददगार होता है। चूंकि महिलाएँ एक समय में कई बातें सोचती हैं, इस कारण उनका मन स्थिर नहीं रहता, इससे तनाव बढ़ता है। बिंदी लगाने से महिलाओं का दिमाग शांत होता है, तनाव कम होता है और मन नियंत्रित होता है।

4. बुरी नजर से बचाता है मंगलसूत्र : विवाह के समय दुल्हन पर सबकी नजर टिकी होती है। इससे दुल्हन को नजर लगने का भय रहता है। मंगलसूत्र में पिरोए गये काले मोती से काल यानि अशुभ शक्तियाँ दूर रहती है। मंगलसूत्र बुरी नजर से रक्षा करता है। धार्मिक मान्यता है कि मंगलसूत्र सकारात्मक ऊर्जा को अपनी ओर आकर्षित कर महिला के दिमाग और मन को शांत रखता है। मंगलसूत्र जितना लंबा होगा और हृदय के पास होगा वह उतना ही फायदेमंद होगा। वैज्ञानिक मान्यताओं के अनुसार, मंगलसूत्र सोने से निर्मित होता है और सोना शरीर में बल व ओज बढ़ाने वाली धातु है। इसलिए मंगलसूत्र शारीरिक ऊर्जा का क्षय होने से रोकता है।

5. परिवार के धन की रक्षा करता है बाजूबंद : बाजूबंद को बाजुओं में पहनने से मिडियन नर्व पर दवाब पड़ता है जो महिलाओं को लंबे समय तक सुंदर और जवां बनाए रखता है। इसको पहनने से परिवार के धन की रक्षा होती है।

6. खूबसरती में चार चांद लगाते हैं झूमके/कर्णफूल/ईयररिंग्स : झुमके, कुंडल, गोल, लंबे आदि आकार व डिजाइन में पाए जाते हैं। धार्मिक मान्यता है कि कर्णफूल यानि ईयररिंग्स महिला के स्वास्थ्य से सीधा संबंध रखते हैं। ये महिला के चेहरे की खूबसूरती को निखारते हैं। वहीं वैज्ञानिक कारण यह है कि कान के बाहरी भाग में एक्यूप्रेशर प्वाइंट होता है और झूमके पहनने से उस प्वाइंट पर दवाब पड़ता है, जिससे कि किडनी स्वस्थ रहती है।

7. नकारात्मक ऊर्जा को दूर करती है पायल : पैरों में पहनी जाने वाली पायल चांदी की ही सबसे उत्तम व शुभ मानी जाती है। पायल कभी भी सोने की नहीं होनी चाहिए। धार्मिक मान्यता है कि महिला के पैरों में पायल संपन्नता की प्रतीक होती है। बहू को घर की लक्ष्मी माना गया है, इसी कारण घर में संपन्नता बनाए रखने के लिए महिला को पायल पहनाई जाती है। वैज्ञानिक मान्यताओं के अनुसार, चांदी की पायल महिला को जोड़ों व हड्डियों के दर्द से राहत देती है। साथ ही पायल के घुंघरू से उत्पन्न होने वाली ध्वनि से नकारात्मक ऊर्जा घर से दूर रहती है।

8. प्रसव के दौरान होने वाले दर्द कम करती है नथनी: नथ से महिलाओं की सुंदरता में चार चांद लग जाते हैं। जिस जगह नथनी पहनी जाती है उस जगह एक एक्यूप्रेशर प्वाइंट होता है जो प्रसव के समय होने वाले दर्द को कम करता है।

9. पति पत्नी के बीच प्रगाढ़ प्रेम को दर्शाती है मेंहदी: महिलाओं को मेहंदी लगाने का शौक होता है। हर महिला मेहंदी लगाने के मौके तलाशती रहती है। सोलह शृंगार में मेहंदी महत्वपूर्ण मानी गई है। धार्मिक मान्यता है कि मेहंदी का गहरा रंग पति-पत्नी के बीच के गहरे प्रेम से संबंध रखता है। मेहंदी का रंग जितना लाल और गहरा होता है, पति-पत्नी के बीच प्रेम उतना ही गहरा होता है। वहीं वैज्ञानिक मान्यता है कि मेहंदी की ठंडक और खुशबू ऊर्जावान व खुश बनाए रखती है।

10. रक्त परिसंचरण में सहायक होती हैं चूडियां : सोने, चांदी की चूडियां पहनने से इन धातुओं के शारीरिक तत्व प्राप्त होते है जिससे कि शारीरिक शक्ति प्राप्त होती है। महिलाओं के लिए कांच, लाख, सोने, चांदी की चूड़ियां सबसे महत्वपूर्ण मानी गई हैं। धार्मिक मान्यता है कि पति की लंबी उम्र व अच्छे स्वास्थ्य के लिए हमेशा चूडियां पहननी चाहिए। चूड़ियों का सीधा संबंध चन्द्रमा से भी माना जाता है। वैज्ञानिक मान्यता है कि चूड़ियों से उत्पन्न होने वाली ध्वनि महिलाओं की हड्डियों को मजबूत करने में सहायक होती है। महिलाओं के रक्त के परिसंचरण में भी चूड़ियां सहायक होती हैं।

11. तनाव कम करता है गजरा : गजरा एक खूबसूरत व प्राकृतिक शृंगार है। गजरा चमेली के सुंगंधित फूलों से बनाया जाता है और इसे महिलाएँ बालों में सजाती हैं। इसके धार्मिक मान्यता है कि गजरा धैर्य व ताजगी देता है। वहीं वैज्ञानिक मान्यता यह है कि चमेली की खुशबू तनाव को दूर करने में सबसे ज्यादा सहायक होती है।

12. महिलाओं के लिए शुभ होता है कमरबंद : कमरबंद, धातु व अलग-अलग तरह के मूल्यवान पत्थरों से मिलाकर बनाया जाता है। कमरबंद नाभि के ऊपरी हिस्से में बांधा जाता है। धार्मिक मान्यता है कि चांदी का कमरबंद महिलाओं के लिए शुभ होता है। वैज्ञानिक मान्यताओं के अनुसार चांदी का कमरबंद पहनने से महिलाओं को माहवारी तथा गर्भावस्था में होने वाले सभी तरह के दर्द से राहत मिलती है। चांदी का कमरबंद पहनने से महिलाओं में मोटापा नहीं बढ़ता।

13. स्त्री के हृदय में प्यार व कोमलता का प्रतीक है काजल : काजल आंखों में लगाई जाने वाली काले रंग की स्याही को कहते हैं। काजल महिला की आंखों व रूप को निखारता है। धार्मिक मान्यता है कि काजल लगाने से स्त्री पर किसी की बुरी नजर का कुप्रभाव नहीं पड़ता। काजल से भरी आंखें स्त्री के हृदय के प्यार व कोमलता को दर्शाती हैं। वहीं इसका वैज्ञानिक कारण है कि काजल आंखों को शीतलता तो देता ही है साथ ही आंखों में काजल लगाने से नुकसानदायक सूर्य की किरणों व धूल-मिट्टी से आंखों का बचाव करता है।

14. शारीरिक तापमान को नियंत्रित करता है मांगटीका : मांगटीका दुल्हन को मांग में पहनाया जाने वाला गहना है। यह सोने, चांदी, कुंदन, जरकन, हीरे, मोती आदि से बनाया जाता है। धार्मिक मान्यता है कि मांगटीका महिला के यश व सौभाग्य का प्रतीक होता है। मांगटीका यह दर्शाता है कि महिला को अपने से जुड़े लोगों का हमेशा आदर करना है। वैज्ञानिक मान्यताओं के अनुसार मांगटीका महिलाओं के शारीरिक तापमान को नियंत्रित करता है, जिससे उनकी सूझबूझ व निर्णय लेने की क्षमता बढ़ती है।

15. दिल व दिमाग स्वस्थ रखती है अंगूठी : शादी की सबसे पहली रस्म अंगूठी से ही शुरू की जाती है, जिसमें लड़का-लड़की एक दूसरे को अंगूठी पहनाकर सगाई की रस्म पूरी करते हैं। धार्मिक मान्यता है कि अंगूठी पति-पत्नी के प्रेम की प्रतीक होती है, इसे पहनने से पति-पत्नी के हृदय में एक-दूसरे के लिए सदैव प्रेम बना रहता है। वहीं वैज्ञानिक मान्यता है कि अनामिका उंगली की नसें सीधे हृदय व दिमाग से जुड़ी होती हैं। इन पर प्रेशर पड़ने से दिल व दिमाग स्वस्थ रहता है।

16. प्रेम का प्रतीक है शादी का जोड़ा : दुल्हन के लिए शादी का जोड़ा चुनते समय सुंदर और चमकदार रंगों को प्राथमिकता दी जाती है, जैसे-लाल, पीला, गुलाबी आदि. दुल्हन के लिए लाल रंग का शादी का जोड़ा शुभ व महत्वपूर्ण माना जाता है। लाल रंग प्रेम का प्रतीक भी माना जाता है।

वैज्ञानिक मान्यता है कि लाल रंग शक्तिशाली व प्रभावशाली होता है इसके उपयोग से एकाग्रता बनी रहती है। लाल रंग भावनाओं को नियंत्रित कर स्थिरता देता है।

- सोनम कुमावत, बरकत नगर, जयपुर-302015

डॉ. विकास कुमावत द्वारा MCI परीक्षा उत्तीर्ण

डॉ. विकास कुमावत ने ओश स्टेट मेडिकल यूनिवर्सिटी, किर्गिस्तान से MBBS किया था। अब भारत में चिकित्सा योग्यता हेतु MCI टेस्ट भी उत्तीर्ण कर लिया है। आपको डाक्टर बनने एवं MCI टेस्ट उत्तीर्ण करने पर 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से बधाई।

हमारे आदर्श

अक्सर जब किसी से उसके पसंदीदा व्यक्तित्व के बारे में पूछा जाता है तो ज्यादातर लोग किसी राजनेता या अभिनेता या सेलीब्रिटी या खिलाड़ी का नाम बताते हैं। परन्तु उनसे यदि यह पूछा जाए कि यह व्यक्ति उनका फेवरेट या आइडियल क्यों है तो अधिकांश लोग इसका कोई सटीक उत्तर नहीं दे पाते या सिर्फ इतना ही कह पाते हैं कि इनका काम अच्छा है। जरा सोचिये इन लोगों का हमारे निजी जीवन को सुखमय बनाने में क्या योगदान है? क्यों हम अपने दिलों में सिर्फ इन्हीं लोगों को इतने सम्मानीय स्थान पर रखते हैं? दरअसल इसलिए कि हमारी पसंद ना पसंद हमारी होती ही नहीं। सोशल मीडिया पर हमें जो दिखाया या समझाया जाता है उसी आधार पर हम सोचते हैं तथा अपनी विचारधारा बनाते हैं। खैर यह प्रत्येक व्यक्ति का अपना व्यक्तिगत अधिकार है कि वह किसे अपना आदर्श मानता है, किसे पसंद या ना पसंद करता है तथा किसके बारे में कैसी विचारधारा रखता है।

यदि कोई मुझसे पूछता है कि मेरे आदर्श अथवा आइडियल कौन हैं तो मैं यही कहती हूँ कि मेरे आइडियल ना तो कोई नेता है, ना अभिनेता है ना ही कोई सेलीब्रिटी हैं। **मेरे दिल में अगर किसी के लिए सम्मान है तो वो है भारतीय सेना, किसान तथा माता-पिता।** ये तीनों ही ईश्वर का साक्षात स्वरूप हैं क्योंकि मैं तीनों ही शक्सिख्यत ऐसी होती है जो कि अपना सम्पूर्ण जीवन हमारी सुरक्षा, देखरेख और सेवा में समर्पित कर देते हैं। आप लोग जिन्हें फेवरेट मानते हैं वे सब अपनी रोजीरोटी के लिए निजी हित को ध्यान में रखकर अपना रोजगार तथा काम करते हैं। भारत की तीनों सेनाओं के प्रत्येक सैनिक के प्रति, जो विषम से विषम परिस्थिति में भी बहुत से कष्ट सहते हुए दिन रात हमारे देश की सीमाओं पर चौकसी करते हुए, दुश्मन राष्ट्रों से हमारी रक्षा करते हैं, जो ना खुद के लिए जीते हैं, ना अपने परिवार के लिए जीते हैं बस हम सब सुरक्षित रहें, देश सुरक्षित रहे इसलिए जीते हैं और इसके लिए मरने को तैयार रहते हैं। उनके लिए ना होली है ना दीवाली, ना खुशी ना गम है, वो एक ही चीज जानते हैं कि देश सेवा पहला धर्म है। भारतीय सेना के जवान हर पल अपने देश की आन-बान और शान के लिए मर मिटने को तत्पर रहते हैं। वक्त पड़ने पर देश की रक्षा के लिए हँसते-हँसते अपनी जान तक कुर्बान कर देते हैं। यदि अपना आइडल किसी को मानना है तो देश के इन रियल हीरोज को मानिये। यदि दिल में सम्मान का भाव रखना है तो हमारी सेना के वीर जवानों तथा शहीदों के लिए रखिए तथा जिस प्रकार भी संभव हो सके, अपनी सेना को प्रोत्साहित कीजिए।

इसके बाद किसान के लिए सदैव सम्मान का भाव रखिए जो हमारा अन्नदाता है। सर्दी, गर्मी, बरसात हर मौसम की मार सहता है। सूखी रोटी खाकर और घास फूस की झोपड़ी में अत्यन्त गरीबी में अपने बच्चों को पालकर हमारे लिए अन्न उगाता ताकी हमारा पेट भर सके। किसान हमारे दिलों में सम्मान के सच्चे पात्र हैं। एक किसान के लिए हिन्दू, मुस्लिम, सिक्ख, इसाई सब एक समान हैं। वे यह कभी नहीं सोचता कि किसके लिए अन्न उगा रहा है।

हमारे माता-पिता सदैव ही सम्मान के अधिकारी होते हैं। माता-पिता हमें जीवन देते हैं, पालते-पोषते हैं, अपने पैरों पर खड़ा करके हमें योग्य इंसान बनाते हैं ताकि हम एक अच्छी जिन्दगी जी सकें। अपनी कई ख्वाहियों को अधूरा रखकर हमारे माता-पिता हमारी सभी ख्वाहिशों को पूरा करते हैं। अपने माता-पिता का ऋण हमें कभी नहीं भूलना चाहिए। अपने जीवन में सदैव अपने माता-पिता को अपना आइडियल मानकर चलिए। सफलता सदैव आपके कदम चुमेगी।

वास्तव में यदि देखा जाए तो सैनिक, किसान तथा माता-पिता ये तीनों ही ईश्वर का साक्षात स्वरूप हैं। इन तीनों को अपने जीवन में सदैव सम्मान दें।

- उर्वशी बालोदिया

15 हजार किलो सोने से बना है महालक्ष्मी मंदिर

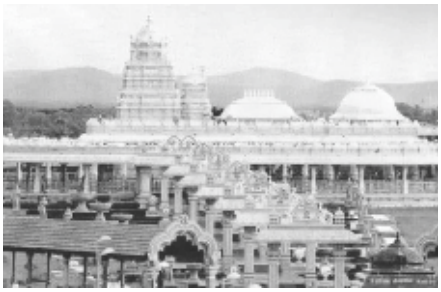

तमिलनाडु के वेल्लोर नगर के मलाईकोड़ी पहाड़ों पर स्थित महालक्ष्मी मंदिर 15 हजार किलो सोने से बना है। यह मंदिर 100 एकड़ से ज्यादा क्षेत्र में फैला है और इस महालक्ष्मी मंदिर में हर एक कलाकृति हाथों से बनाई गई है।

यह विश्व का इकलौता ऐसा मंदिर है जिसमें इतने सोने का प्रयोग हुआ है। इस मंदिर को भक्तों के लिए 2007 में खोला गया था। रात के समय यहां भक्तों की संख्या अधिक रहती है क्योंकि सोने से बना यह मंदिर रात में रोशनी से जगमग रहता हैं एवं अद्भुत दिखता है।

5 वर्षीया ओजस्विनी कुमावत ने लगाई 1600 मी. दौड़

कालाडेरा। भाला स्टेडियम में आयोजित सर्वसमाज की ''कालाडेरा ओलम्पिक'' में सामोद निवासी 5 वर्षीय बालिका ओजस्विनी कुमावत ने लगातार 1600 मीटर दौड़कर चौथे स्थान पर रही। ओजस्विनी कुमावत की खेल के प्रति लगन को देख उपस्थित सभी लोगों ने उसकी सराहना की तथा उसे पुरस्कार देकर सम्मानित किया। छात्रा वर्ग में गुंजन कुमावत प्रथम रही।

रसोईघर का वास्तु

रसोई किसी भी घर का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा होती है। रसोई का वास्तु खराब हो तो उसका बुरा प्रभाव घर की महिलाओं के साथ ही घर के अन्य सदस्यों पर भी पड़ता है। कई बार तो घर में मानसिक तनाव का प्रमुख कारण किचन में वास्तु दोषों का होना भी हो सकता है। रसोई में वास्तु दोष कैसे होता है और उसे किस प्रकार दूर किया जा सकता है, आइए जानते है जयपुर के डॉ. योगेश, ज्योतिषाचार्य से—

प्रश्नः घर के किस कोने में रसोई बनाना शुभ रहता है?

डॉ. योगेशः किचन हमेशा घर के दक्षिण—पूर्व यानि आग्नेय कोण में होनी चाहिए। इस कोने में अग्नि तत्व की प्रधानता एवं इसका स्वामी शुक्र ग्रह होता है। घर के ईशान कोण, नैऋत्य कोण और ब्रह्म स्थान में किचन नहीं बनानी चाहिए। इन स्थानों पर किचन होने से स्वास्थ्य में गिरावट, धन की हानि एवं ग्रह क्लेश के साथ ही कई परेशानियां भी शुरू हो सकती हैं !

प्रश्नः रसोई में गैस चूल्हा किस दिशा में होना चाहिए? खाना किस दिशा में मुंह करके बनाना चाहिए?

डॉ. योगेशः रसोईघर के आग्नेय कोण में ही गैस चूल्हा और सिलेंडर रखना ठीक रहता है। प्रयास करें कि गैस चूल्हा किसी बीम के नीचे स्थित नहीं हो। कुछ लोग सिलेंडर पर पानी का घड़ा या बर्तन रख देते हैं, यह ठीक नहीं है। इससे भी घर में क्लेश का माहौल बनता है। खाना बनाते समय ध्यान रखें कि आपका मुंह पूर्व या उत्तर दिशा की ओर ही होना चाहिए।

प्रश्नः रसोईघर को लेकर और क्या बातें ध्यान में रखनी चाहिए?

डॉ. योगेश : रसोई घर में कभी भी जूते-चप्पल लेकर नहीं जाए। गैस चूल्हे के पास ही पानी का सिंक नहीं होना चाहिए यदि है तो इनके बीच में लकड़ी का पार्टिशन लगा दें। रसोईघर में पर्याप्त रोशनी होनी चाहिए। रसोईघर का दरवाजा घर के अन्य दरवाजों से थोड़ा छोटा होना चाहिए। रसोईघर का कलर भी महिलाओं की कुंडली के अनुसार कराना शुभ रहता है। किचन में खिड़की का निर्माण पूर्व दिशा में करवाना चाहिए। किचन के दक्षिण या पश्चिम हिस्से में ही स्टोर रूम बनाना चाहिए। रसोईघर का स्लैब ब्लैक कलर का ना होकर ग्रीन या ब्राउन कलर का होना शुभ रहता है। रसोई में कभी भी धार्मिक फोटो, तस्वीर या मंदिर स्थापित नहीं करना चाहिए। किचन कभी भी पूजा घर और टॉयलेट के ना तो ऊपर हो और ना ही इनके नीचे होनी चाहिए।

प्रश्नः यदि रसाई में वास्तु दोष हों तो उनके सामान्य उपाय क्या हो सकते हैं।

डॉ. योगेश : घर के नैऋत्य कोण में किचन बना हुआ है और घर के लोगों की कुंडली में राहु भी खराब स्थिति में है या गोचर में खराब चल रहा है तो, उस घर में मुखिया के साथ ही घर के अन्य लोगों में भी मानसिक अस्थिरता, अवसाद, उग्रता आदि देखने को मिल सकते हैं। इसके समाधान हेतु वैदिक राहु यंत्र किचन के गेट के ऊपर लगाएं। ऐसे ही यदि किचन ईशान कोण में बन गया है तो मानसिक अशांति, अत्यधिक खर्चे, स्वास्थ्य कमजोर व संतान से संबंधित परेशानी रहने लग जाती है। इसके समाधान के लिए भी गुरु का वैदिक यंत्र गेट के ऊपर या पूजा घर में लगा सकते हैं। यदि किचन के दरवाजे के ठीक सामने मेन गेट हो तो किचन के गेट पर पर्दा डालकर रखें। किचन के दोष कम करने के लिए किचन के अगल-बगल में तुलसी के पौधे लगाना भी शुभ माना जाता है इन सामान्य उपायों के द्वारा आप भी अपने किचन के वास्तु दोषों को दूर कर सकेंगे।

-डॉ योगेश, ज्योतिषाचार्य, मानसरोवर, जयपुर

बस से बाईक सवार कुमावत दम्पत्ति की मौत

16 दिसम्बर को रानोली के शिश्यू बस स्टैण्ड के पास लोक परिवहन के बस चालक की लापरवाही से बाईक सवार उत्तम कुमावत (38 वर्ष) एवं उनकी पत्नी श्रीमती कमला की मौत हो गई तथा उनकी बेटी 10 वर्षीया कुमकुम गम्भीर रूप से घायल हुई, जिसका ईलाज के दौरान जयपुर में अगले दिन निधन हो गया। इस दर्दनाक हादसे से गाँव में शोक की लहर दौड़ गई। इस दम्पत्ति का 16 वर्षीय एक पुत्र कक्षा 12वीं कक्षा का छात्र है।

परिजनों व समाजजनों ने सरकार से परिवार की आर्थिक मदद करने की माँग की है।

एक नई सोच एवं अपील

हमारे धर्म शास्त्रों में स्पष्ट वर्णित है कि जो व्यक्ति मृत्यु भोज को ग्रहण करता है उस परिवार में दरिद्रता एवं रोग का आगमन होता है। हमें मृत्युभोज का घोर विरोध करना चाहिये। मृत्युभोज करना व उसमे सम्मिलित होना कानून के विरुद्ध है अर्थात ऐसा करना अपराध है। मृत्यु के उपलक्ष में होने वाले सभी भोज अवैध है तथा बहिष्कार योग्य हैं चाहे वह प्रसादी, गंगोज, पगड़ी दस्तूर, उठावना, श्राद्ध आदि किसी भी नाम से किया गया हों।

फिर भी देखने में आता है कि आज भी गांवों में मृत्युभोज हो रहे है। यह शोकग्रस्त परिवार के दु:ख को बढ़ा रहा है वही इसमें सम्मिलित होने वाले लोग अपराध में शरीक हो रहे है। उल्टे हमें चाहिए कि यदि कोई मृत्युभोज करने की चेष्टा करे तो उसे कानूनी प्रावधान समझा कर रोके। यदि फिर भी नही माने तो इसकी शिकायत प्रशासन व पुलिस को करें।

अत: समाज बंधुओं से करबद्ध निवेदन है कि शोक संतप्त परिवार के यहां मृत्युभोज खाने नही जाए एवं उस परिवार को दुःख के समय मिठाई खिलाने के लिए मजबूर नही किया जाए।

यदि परिवार अपने दिवंगत सदस्य के लिए कुछ करना ही चाहते हैं तो उसकी याद में गरीब छात्रों की मदद करें, सामाजिक संस्थाओं को आर्थिक सहयोग दें, बेजुबान पशु-पक्षियों की देखभाल करने के लिए मदद करें आदि। आशा है आप सहमत होंगे, यदि हाँ तो इसे अधिक से अधिक प्रचारित कर इस बुराई को जड़ से मिटाने में सहयोग करें।

-हरिशंकर खण्डारिया, उदयपुर

वि/1 श्री महेश चन्द जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/2 श्री नीरज धुन्धारिया, आनन्दपुरी, जयपुर
वि/3 श्री मनीष खोवाल कुमावत एडवोकेट, जयपुर
वि/4 श्री मनोज कुमार सिरसवा, जयपुर
वि/5 श्री शंकर लाल जायलवाल, टोंक रोड, जयपुर
वि/6 श्री यतेन्द्र अजमेरा, त्रिमूर्ती सर्किल, जयपुर
वि/7 श्री राकेश चन्द सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/8 श्री संदीप नागा, बापू नगर, जयपुर
वि/9 श्री राजेन्द्र कुमार वर्मा, भौरोदिया जयपुर
वि/10 श्री मोहन कुमार घोड़ीवाल, जयपुर
वि/11 श्री नवल सरथल्या, महावीर नगर, जयपुर
वि/12 श्री पंकज कुमावत, वैरा झोटवाड़ा, जयपुर
वि/13 श्री चेतन कुमावत, डीसीएम, जयपुर
वि/14 श्री मनोज माचीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/15 श्री दीपक सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/16 श्री लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल, जयपुर
वि/17 श्री योगेश वर्मा, खड़गटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/18 श्री शैलेन्द्र खटगटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/19 श्री विनोद बालोदिया, दुर्गापुरा जयपुर
वि/20 श्री ओमकार मल घोड़ेला, रींगस रोड, जयपुर
वि/21 श्री रामपाल मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/22 श्री रामप्रकाश बेरा, मुरलीपुरा, जयपुर
वि/23 श्री मोहनलाल घोड़ेला, नींदड़, जयपुर
वि/24 श्री कालूराम होदकास्या, नींदड़, जयपुर
वि/25 श्री जयनारायण मारवाल, जोटवाड़ा, जयपुर
वि/26 श्री महेंद्र खरोलिया, चांदपोल बाजार, जयपुर
वि/27 डॉ. सीताराम नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/28 श्री शंकरलाल मामोरिया, 22 गोदाम, जयपुर
वि/29 श्री रामस्वरूप खोराणिया, जयपुर
वि/30 श्री नरेंद्र कुमार आर्य, ब्यावर, अजमेर
वि/31 श्री चेनसुख बड़ीवाल, बगरू, जयपुर
वि/32 श्री चांदमल कुमावत (घोड़ेला), मुंबई
वि/33 श्री राजसिंह गैदर, टोंक रोड, जयपुर
वि/34 श्री मनोज ब्याडवाल, श्रीराम नगर झोटवाड़ा
वि/35 श्री गोपाल मारवाल, श्रीमाधोपुर, सीकर
वि/36 श्री मनीष मारवाल, निवारू रोड, जयपुर
वि/37 श्रीरूप सिंह कारगवाल, जयपुर
वि/38 श्री दया प्रकाश जलांधरा, इंदौर
वि/39 श्री नवीन कुमार वर्मा भौंरोदिया, इंदौर
वि/40 श्री राजेंद्र प्रसाद, तमिलनाडु
वि/41 श्री शिव भगवान चेजारा, सिरस्वा, सीकर
वि/42 श्री तेज प्रकाश नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/43 श्री पृथ्वीराज जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/44 श्री मोहन कुमार बालोदिया, जयपुर

विशिष्ठ संरक्षक

वि/45 श्री पुरुषोत्तम लाल घोड़ेला, जयपुर
वि/46 श्री ललित स्वरूप पोडेला, जयपुर
वि/47 श्री विजय कुमावत (भौरोंदिया), जयपुर
वि/48 श्री अरविंद सिरस्वा, पचार, सीकर
वि/49 श्री मूलचंद खोवाल, जयपुर
वि/50 श्रीमती शशि वर्मा, धुमुनिया, दुर्गापुरा, जयपुर
वि/51 श्री राजेंद्र जूनवाल टोंक फाटक, जयपुर
वि/52 श्री सतीश चंद खाटूवाल, जयपुर
वि/53 श्री नन्द किशोर सिरस्वा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/54 श्री संतोष खरनारिया कुमावत, अजमेर
वि/55 श्री प्रमोद कुडावलिया, छत्तीसगढ़,
वि/56 श्री मनोज बड़ीवाल, रायपुर, छत्तीसगढ़
वि/57 श्री श्रीराम नीमिवाल, जयपुर
वि/58 श्री भीवाराम दम्बीवाल, निर्माण नगर, जयपुर
वि/59 श्री पन्नालाल सिरस्वा, निर्माण नगर, जयपुर
वि/60 श्री रामस्वरूप कुमावत, बड़ीवाल, मुम्बई
वि/61 श्री हेमेंद्र सिंह गैदर, टोंक रोड, जयपुर
वि/62 श्री साधुलाल चेजारा (सिरस्वा), जयपुर
वि/63 श्री गोपाललाल बासनीवाल, जयपुर
वि/64 श्री मोहनलाल मामोड़िया, जयपुर
वि/65 श्री रामकुमार बिरथलिया, जयपुर
वि/66 श्री जगदीश कुमावत
वि/67 श्री मुकेश कु. कुदीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/68 श्री रोहिताश मोरवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/69 श्री शुभकरण किरोड़ीवाल, सूरत
वि/70 श्री नान्छीलाल कुद्दीवाल, जयपुर
वि/71 श्री रमेश चंद माचीवाल, त्रिनगर, दिल्ली
वि/72 श्री राधेश्याम घासोलिया, दिल्ली
वि/73 श्री हंसराज मारवाल, ब्यावर
वि/74 श्री मेघराज सिरस्वा, छत्तीसगढ़
वि/75 श्री सूरजमल अनावड़िया, लाल कोठी, जयपुर
वि/76 श्री छीतरमल धुंधारिया, निवारू रोड, जयपुर
वि/77 श्री रामगोपाल खोराणिया, सोडाला, जयपुर
वि/78 श्री हरिशंकर राजौरा, जयपुर
वि/80 डॉ. प्रवीण कुमार मारवाल, झुंझुनूं
वि/81 श्री अर्जुन लाल धुन्धारिया, जयपुर
वि/82 श्री ओम प्रकाश धुन्धारिया, जयपुर
वि/83 श्री गोविंद नारायण तांगड़ा, जयपुर
वि/84 श्री सुरेंद्र सिंह तारकसी, बापू नगर, जयपुर
वि/85 श्री माधव दास बालोदिया, जयपुर
वि/86 श्री मोहित धुन्धारिया, जयपुर
वि/87 श्री बाबूलाल मंडावरा, जयपुर
वि/88 श्री मनीष वर्मा (सिरस्वा), दुर्गापुरा, जयपुर
वि/89 श्री हेमांक खड़गटा, मोती डूंगरी, जयपुर
वि/90 श्री कैलाश जलान्धरा, माल की ढाणी, दूदू
वि/91 श्री लोकेश जंहाजपुरिया, नंदपुरी, जयपुर
वि/92 श्री नन्दकिशोर आसीवाल, रिंगस, सीकर
वि/93 श्री बाबूलाल धुन्धारिया, वीकेआई, जयपुर
वि/94 श्री रामसिंह बैथाड़िया, तुलसी सेन्ट्रल मैन बाजार, सांगानेर
वि/95 श्री मदन लाल कुमावत, निर्माण नगर, जयपुर
वि/96 श्री नरेंद्र मामोडिया, अशोक नगर, उदयपुर
वि/97 श्री बाबूलाल कुमावत, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/98 श्री रमेश मारवाल, खातीपुरा, जयपुर
वि/99 श्री प्रहलाद नारायण कुमावत, जयपुर
वि/100 श्री सत्यनारायण कुमावत, जयपुर
वि/101 श्री दीपेश टी. मॅडावरा, जयपुर
वि/102 श्री राकेश कुमावत (एडवोकेट), बरकत नगर, जयपुर
वि/103 श्री ओमप्रकाश कुमावत, जयपुर
वि/104 श्री रमेश चन्द ब्याड़वाल, नई दिल्ली
वि/105 डॉ. एन.के. कुमावत, लालकोठी, जयपुर
वि/106 श्री राम प्रसाद छापोला, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/107 श्री गिरधारी लाल सिंघनवाल, उदयपुर
वि/108 श्री राकेश कुमावत (धनारिया), उदयपुर
वि/109 श्री बाबूलाल वर्मा (ब्याड़वाल), नई दिल्ली
वि/110 श्री कन्हैयालाल खण्डारिया, जयपुर
वि/111 डॉ. महेश कुमार जालवाल, जयपुर
वि/112 डॉ. श्रीमती श्यामा कुमावत, उदयपुर
वि/113 श्री महेश कुमार कुमावत, किशनगढ़
वि/114 श्री मुकेश वर्मा (मरोड़िया), जयपुर
वि/115 श्री जयकिशन कुमावत (सोकिल), चौमूं
वि/116 श्री गजेंद्र मारवाल, सांगानेर, जयपुर
वि/117 श्री सुनील तोंदवाल, वीकेआई, जयपुर
वि/118 श्री मदनलाल जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/119 श्री सुमित कुमार घोड़ेला, मुंबई
वि/120 श्री ओम प्रकाश का कारगवाल, ब्यावर
वि/121 श्री प्रेमचन्द कुमावत (बैरा), झोटवाड़ा, जयपुर
वि/122 श्री योगेश वर्मा, मुम्बई
वि/123 श्री राजेश धूंधारिया, डूंडलोद कॉलोनी, जयपुर
वि/124 श्री सुनील प्रकाश वर्मा, मुम्बई
वि/125 श्री उम्मेद सिंह नन्दीवाल पुत्र श्री जी.एस. नन्दीवाल, जयपुर
वि/126 श्री रामलाल बैथाड़िया
वि/127 श्री लोकेन्द्र बालोदिया, जयपुर
वि/128 श्री कुमार गौरव कुमावत, कोटा
वि/129 श्रीमती मेघना कुमावत, जयपुर
वि/130 श्री दामोदर लाल जलान्दरा, जयपुर
वि/131 डॉ. पी.एम. कुमावत, उज्जैन
वि/132 श्री विमल कुमावत, जयपुर

''कुमावत इंडिया'' पत्रिका परिवार की ओर से सभी दिवंगत आत्माओं को अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

16 दिसम्बर श्री घनश्याम चेजारा (होदकास्या) नवलगढ़, झुंझुनूं
17 दिसम्बर श्री कृष्ण कुमार पुत्र श्री गंगाराम भूरोदिया कालाडेरा, चौमूं
20 दिसम्बर श्रीमती गीता देवी धर्मपत्नी श्री बुद्धाराम कारगवाल धानोता, जयपुर
21 दिसम्बर श्रीमती फूला देवी धर्मपत्नी स्व. श्री बालूराम दम्बीवाल, जयपुर
21 दिसम्बर श्री चित्थर राम जी चौधरी पुत्र स्व. श्री बैजनाथ कारगवाल, अजमेर
22 दिसम्बर श्रीमती मुन्नी देवी धर्मपत्नी स्व. श्री राम निवास नागा, जयपुर
23 दिसम्बर श्रीमती धापूदेवी धर्मपत्नी श्री छोटेलाल गोठवाल मान्यावास, जयपुर
23 दिसम्बर श्रीमती अमरकांता धर्मपत्नी स्व. श्री राधेश्याम नागा, जयपुर
24 दिसम्बर श्री रामजीलाल ब्याड़वाल, पुत्र स्व. श्री गणेश नारायण, जयपुर
24 दिसम्बर श्री कानाराम (हलवाई) सोकल, ढोढसर
25 दिसम्बर श्री बाबूलाल कुण्डलवाल नन्दपुरी, 22 गोदाम, जयपुर
26 दिसम्बर सुश्री सुनीता कुमावत पुत्री श्री रामसिंह, बनीपार्क, जयपुर
27 दिसम्बर श्री नन्छीलाल पुत्र स्व. भंवरलाल अनावडिया, सांगानेर, जयपुर
27 दिसम्बर श्रीमती इंदु पत्नी स्व. श्री लालचन्द जी मारवाल, जयपुर
27 दिसम्बर श्री जमनालाल जी रैणा, धोली बावड़ी, उदयपुर
28 दिसम्बर श्री नेमीचन्द घोड़ेला चांदी की टकसाल, सुभाष चौक, जयपुर
28 दिसम्बर श्री गोपाल लाल पुत्र श्री जगदीश प्रसाद आसीवाल, चौमूं, जयपुर
30 दिसम्बर श्री पूरण चन्द जी पुत्र स्व. श्री छोटे लाल अनावडिया, जयपुर
30 दिसम्बर श्री रामेश्वर लाल चेजारा पुत्र स्व. श्री गोपाल जी कारगवाल, जयपुर
30 दिसम्बर श्रीमती लीला देवी धर्मपत्नी श्री सोहनलाल मारोठिया, अजमेर
31 दिसम्बर श्रीमती प्रेमलता धर्मपत्नी स्व. श्री ब्रजमोहन घोड़ेला बापूनगर, जयपुर
2 जनवरी श्रीमती सरजू देवी धर्मपत्नी स्व. श्री मांगीलाल भोरोदिया, जयपुर
2 जनवरी श्री भंवरलाल अडानिया, सेक्टर-14, उदयपुर
5 जनवरी श्रीमती रामा देवी धर्मपत्नी स्व. श्री नन्दकिशोर खुडिया, जयपुर
5 जनवरी श्री प्रभुकिशन वर्मा (मास्टर साहब) सारड़ीवाल, अजमेर
8 जनवरी श्री प्रेमचन्द बड़ीवाल पुत्र स्व. श्री भंवरलाल दहमीकला, बगरू
9 जनवरी श्री श्रीराम कुमावत पुत्र स्व. श्री भूरामल खोराणिया, जयपुर
10 जनवरी श्रीमती चौथी देवी धर्मपत्नी स्व. श्री बालचन्द राहोरिया, जयपुर
11 जनवरी श्री पूरणमल जी किरोड़ीवाल, इमली वाला फाटक, जयपुर
11 जनवरी श्रीमती उमा देवी धर्मपत्नी स्व. श्री बाबूलाल मारवाल, जयपुर
11 जनवरी श्री रोशन लाल टांक, उदयपुर
12 जनवरी श्री हीरालाल जी खटोड़ सेवानिवृत्त एचआरओ, जयपुर
13 जनवरी श्री रामावतार पुत्र स्व. श्री कल्याण सहाय बबेरीवाल, जयपुर
13 जनवरी श्रीमती राधाबाई बातरा, देवाली, उदयपुर
16 जनवरी श्रीमती बिन्नो देवी धर्मपत्नी स्व. श्री बल्लभचंद धुंधारिया, जयपुर
16 जनवरी श्री लक्ष्मी नारायण भारोदिया, गोविन्दगढ़, जयपुर
16 जनवरी श्रीमती उर्मिला धर्मपत्नी श्री चतुर्भुज भौरोदिया, टोंक फाटक, जयपुर
17 जनवरी श्रीमती धन्नी देवी धर्मपत्नी श्री छोटूलाल कुद्दीवाल, सांगानेर, जयपुर
20 जनवरी मांगीलाल जी बतरा, देवाली, उदयपुर
21 जनवरी श्री ओम प्रकाश जी साड़ीवाल, मीरा नगर, उदयपुर

विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची

युवक

नाम	शिक्षा	व्यवसाय	जन्म	ऊंचाई	गौत्र				सज़्पर्क सूत्र	स्थान
					स्वयं	माता	दादी	नानी	मो. नज़्बर	
सांवरलाल	8वीं, ITI	Shop in jobner	5.10.80	5'3''	कारगवाल	खोरानिया	नेहरा	बालोदिया	9887518525	जोबनेर
मनीष	10वीं	Tour & Travalls	26.7.93	5'3''	गुडीवाल	बबेरीवाल	घोड़ेला	जलान्दरा	9351350880	जयपुर
राशुसिंह	B.Sc.(Animation)	Jewellery Exporter	16.1.93	5'10''	दिलीवाल	कुण्डलवाल	बारावाल	जेठीवाल	9829020483	जयपुर
अजय	M.A.BSTC	Graphic Designor	7.2.95	5'11''	खरनारिया	जूनवाल	दोराया	मारोठिया	9414644833	-
नीरज	M.B.A.	Degiral marketing	21.8.97	5'9''	मारवाल	तूंदवाल	घोड़ेला	मारोठिया	7737173523	पावटा
विवेक	B.Tech.(Ele)	J.En Govt. Dept.	7.7.92	5'9''	सिरसवा	कुदाल	घोड़ेला	मारोठिया	9166405141	जयपुर
विकास	मांगलिक 12वीं	Fabrication	21.8.92	5'5''	पारमवाल	घोड़ेला	लोहरवाड़िया	खाटूवाल	6375774737	ज़्यावर
श्रीराम	M.A.	Mobile shop	7.1.96	5'9''	मनेठिया	किरोड़ीवाल	सिरसवा	भोरोदिया	8824683565	जयपुर
संजय	B.Tech.	Self Business	7.10.95	-	मारवाल	दज़्बीवाल	रतीवाल	कारगवाल	9460872159	बेगस
सोहनलाल	12वीं	Patnjali	1.1.96	5'10''	मारोठिया	जलान्धरा	कुण्डलवाल	नागा	9587909759	जयपुर
विनोद	B.A.	Indian Railway Group-C	10.6.93	5'11''	मारोठिया	जलान्धरा	कुण्डलवाल	नागा	9587909759	जयपुर
तरुण	B.Arch.	Architect	21.5.97	5'7''	अनावड़िया	कुदीवाल	कण्डेरीवाल	कारगवाल	9929043055	जयपुर
राजकुमार	B.A.	Online marketing	1.9.82	5'9''	जलिन्दरा	बारावाल	उज्जीवाल	सिरसवा	7737718472	जयपुर
रामेश्वर	(Divorce)M.A. Bed	Self iTI College	1.1.86	5'10''	बालोदिया	जलान्दरा	निरानिया	धाडेला	9783509570	नागौर
पप्पूराम	M.A. B.Ed.	LDC Govt. job	15.6.92	5'10''	बालोदिया	जलान्दरा	निरानिया	धाडेला	9783509570	नागौर
डॉ. चेतन	M.B.B.S.	Govt. doctor	9.12.89	5'8''	घोड़ेला	थावलियां	ज़्याडवाल	मामोड़िया	9468599485	शाहपुरा
गिरधारी	M.Com.	LDC Govt.	6.7.88	-	मारोठिया	कारगवाल	बारवाल	नोखवाल	9784820418	कुचामन
शंकर	B.Ed. Dip. Polytech	Teacher	1.1.92	5'7''	भोबारिया	घटेलवाल	सारड़ीवाल	कारगवाल	9828510466	सीकर
शशीराज	M.Com, PGDCA	Data operator Govt.Hospital	5.7.96	-	बैरा	बधानिया	ओस्तवाल	सलवाड़िया	7976498313	राजसमन्द

युवतियाँ

नाम	शिक्षा	व्यवसाय	जन्म	ऊंचाई	गौत्र				सज़्पर्क सूत्र	स्थान
					स्वयं	माता	दादी	नानी	मो. नज़्बर	
भारती(मांगलिक)	B.Sc.	-	19.4.98	5'7''	धुंधारिया	रेणीवाल	देवतवाल	सिरसवा	9667186739	-
रीना	M.Com.	-	15.7.99	5'3''	खरनारिया	जूनवाल	दोराया	मारोठिया	9828785605	जयपुर
इराश्री	B.A., L.L.B.	-	23.5.94	5'3''	भोरीवाल	सिरसवा	बासनीवाल	तूनवाल	9772426258	रतनगढ़
स्नेहा	B.Com.	Account	4.2.1995	5'0''	किरोड़ीवाल	कोलुगरिया	मारोठिया	घोड़ेला	7798764761	नासिक
मोनिका	B.E (E&TC)	Senior soft. Eng.	26.11.93	4'5''	किरोड़ीवाल	कोलुगरिया	मारोठिया	घोड़ेला	7798764761	नासिक
हेमू (divorce)	B.A., Bed.	-	15.7.89	5'3''	बोबरिया	अजमेरा	कुसुज़्बीवाल	घोडेला	9571299074	कोटा
मलिका(divorce)	B.Sc., MBA	Manager UBI Vadodra	15.3.86	5'3''	गुरी	नोखवाल	कारगवाल	मारोठिया	9712968792	झुंझुनूं
नीशा	M.A., DED	-	12.5.97	5'5''	जूनवाल	रेनीवाल	मारोठिया	नरानिया	9828785605	
दीप्ती	B. A., CDDM	-	22.12.94	5'2''	आसोला	जायलवाल	ककडवाल	नेमीवाल	9214527503	अजमेर
सुन्दर	M.A., Parlor	-	3.1.98	5'3''	दज़्बीवाल	मारोठिया	धमुनिया	घोड़ेला	9887612944	जयपुर
चंचल	M.Com (Final)	-	8.4.97	5'0''	नरानिया	नागा	तोंदवाल	मनेठिया	9251126571	ज़्यावर
पूजा(divorce)	B.A.	-	1.4.88	5'5''	कागरवाल	सिरोहिया	नरानिया	सिरस्वा	9829062596	जयपुर
निकिता	MBA	Operationmenager (PMKVY)	20.8.92	5'0''	घोड़ेला	आसीवाल	खोरानिया	मामोडिया	9826699607	इन्दौर
कृतिका	B.Sc. Bped(sports)	-	8.12.95	5'3''	मोरवाल	नीवाल	बालोदिया	डूंगरवाल	9001783621	उदयपुर
सीमा	B.A., B.Ed.	Pvt. Teacher	4.1.90	5'4''	सिरस्वा	जायलवाल	घोड़ेला	सिरोहिया	7014664861	ज़्यावर
रूपल	B.Com., CA (Final)	-	5.5.93	5'7''	कुदीवाल	जेठीवाल	सिंघनवाल	सिरस्वा	9460380647	जयपुर
आयुषी	M.Com.	Jr. Account JVVNL	18.2.94	5'5''	नीमीवाल	सिंघानिया	अजमेरा	कोलुगरिया	8209064149	जयपुर
भावना	BSc, MBA	Flipkart	29.04.1994	5'4"	नीमीवाल	देवतवाल	बड़ीवाल	राहोरिया	9413649649	ज़्यावर

नोट : 1. यदि आप अपनों की वैवाहिक जानकारी नि:शुल्क प्रकाशित कराना चाहते हैं तो उक्त कॉलम के अनुसार कार्यालय को जानकारी प्रेषित करें।

2. प्रदत्त सूचना के आधार पर यदि आपके किसी अपने का सम्बन्ध हो जाये तो कृपया 'कुमावत इंडिया' पत्रिका को सूचित करने का कष्ट करें।

पोस्टकार्ड से भी कम कीमत पर आपका संदेश, विज्ञापन समस्त भारत में पहुँचाने का एकमात्र सशक्त माध्यम ''कुमावत इंडिया पत्रिका''

समाज बन्धुओं से निवेदन है कि पत्रिका में प्रकाशन हेतु यदि आप प्रकाशन सामग्रीः- समाचार, फोटो, लेख, कविता, प्रतिभाओं का परिचय, सामाजिक गतिविधियों, जनउपयोगी सूचना आदि प्रकाशित करवाना चाहते हैं तो कृपया kumawatindiapatrika @gmail.com पर मेल करें अथवा कार्यालय पते पर सामग्री प्रेषित करें। -सम्पादक

आवश्यक सूचना

पत्रिकाएं नियमित रूप से हर माह की 23 तारीख को जयपुर से निर्धारित डाकघर में भेज दी जाती हैं। यदि किसी सदस्य को एक सप्ताह के अन्दर पत्रिका नहीं मिलती है तो आप अपने पोस्टमैन व पोस्ट मास्टर से शिकायत कर हमें सूचित करें।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका में प्रकाशित सामग्री के तथ्य, आंकड़े व विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं तथा इसकी मौलिकता व सत्यता के लिए सम्पादक मण्डल, पत्रिका, प्रकाशक एवं ट्रस्ट विधिक रूप से उत्तरदायी नहीं है।

■ किसी भी लेखन सामग्री या उसके किसी भाग के लिए प्रकाशन से 2 माह बाद कोई आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी।

समस्त विवादों के लिए न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

पूर्वजों की याद को संजोये रखे

विनम्र निवेदन

हमारे पूर्वज जमीन, जायदाद, सोना, चांदी आदि अमूल्य सम्पत्ति छोड़कर स्वर्ग चले जाते हैं। हम व्यस्तता के कारण उनकी चिरस्मृति बनाये रखने में असमर्थ हो जाते हैं। कुमावत इण्डिया पत्रिका समाज बन्धु 4000 रु. शुल्क जमा कराकर अपने पूर्वज (माता-पिता, दादा-दादीजी, नाना-नानी) की पुण्य तिथि फोटो सहित 10 वर्ष तक 1/8 पेज पर मल्टीकलर में प्रकाशित करा सकते हैं। - सचिव

-: विशेष निवेदन :-

1. शोक समाचार, तीये की बैठक के समाचारों में नाम के साथ 'कुमावत' अवश्य लगाएं। क्योंकि समान गोत्र अन्य समाजों में भी मिलते हैं।
2. इस पत्रिका में हाल ही में दिवंगत हुए समाजजनों की श्रद्धांजलि एक लाईन में निःशुल्क प्रकाशित की जाती है। इस हेतु पत्रिका को सूचित करने का कष्ट करें।

सदस्यता समाप्ति सूचना

तीन वर्षीय सदस्य मार्च 2021 तक क्र.सं. 1 से 450 तक की सदस्यता समाप्त हो गई। कृपया शीघ्र नवीनीकरण करावें।

सामाजिक संस्थाओं व ट्रस्टों को विज्ञापन में 10 प्रतिशत की छूट।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका नहीं मिलने पर यहां सम्पर्क करें

डाक विभाग एवं अन्य के कारणों से आपको पत्रिका नहीं मिलती है तो कृपया अपने नजदीक सेन्टर पर जाकर प्राप्त करने का कष्ट करें तथा कृपया पत्रिका कार्यालय को पत्र, पोस्ट कार्ड आदि द्वारा सूचित करने का कष्ट करें।

जयपुर :

1. **लालकोठी बापूनगर**-श्री सुरेन्द्र नागा, सिवाड़ एरिया, बापूनगर, मो. 9414994006
2. **शिल्प कॉलोनी, झोटवाड़ा**- श्री महेश जलान्धरा मो. 9509344684
3. **कुमावत कॉलोनी झोटवाड़ा**- श्री सुरेन्द्र मारोठिया मो. 9314820385
4. **जयपुर शहर**-श्री राजसिंह बधानियां, म.नं. 454, मिश्र राजाजी का रास्ता, मो. 9414238799
5. **सांगानेर**-श्री भीमसिंह सिरोहिया, मालपुरा गेट मो. 9414359364
6. **मालवीयनगर**-श्रीचन्द्रप्रकाश अजमेरा मो. 9928088815
7. **22 गोदाम**-श्री चेतन बालोदिया, राज ब्लॉक, बी-81, रोड नं. 4 मो. 9414052736
8. **आदर्श नगर, तिलक नगर**-श्री शैलेन्द्र खड़गटा, खड़गटा भवन, मोती डूंगरी, जयपुर मो. 9351682036
9. **दहमी कलां, बगरू**-श्री चेनसुख बड़ीवाल, ग्लोबल एकाउन्ट सर्विस दहमी कलां बालाजी स्टेण्ड मो. 9929012987
10. **करधनी-कालवाड़ रोड**-श्री गणेश राम मारवाल, मै. जयश्री राम हार्डवेयर एण्ड पावर टूल्स टिम्बर दुकान नं. 90-91, करधनी शॉपिंग सेन्टर 9 दुकान कालवाड रोड, मो. 9828063267
11. **टोंक फाटक**- गणपति आर्ट एण्ड फ्रेम, 26 आदर्श बस्ती, मो. 8058157147
12. **बरकत नगर-महेश नगर**-श्री विशाल कम्प्यूटर्स, बरकत नगर महेश नगर फाटक के पास, जयपुर, मो. 94613-43432
13. **ब्यावर**-श्री नरेन्द्र आर्य, मो. 8107944493
14. **दिल्ली**-श्री राधेश्याम घासोलिया, मो. 9818711580
15. **फुलेरा**-श्री सुरेश नागा, जगदम्बा प्रिंटिंग प्रेस, बस स्टेण्ड के पास
16. **सोडाला** -घनश्याम फोटो लेमिनेशन एण्ड फ्रेमिंग, 31, कुमावत कॉलोनी, मो.9352070394

आभार

हमारे श्रद्धेय

श्री पूरण चन्द जी कुमावत

(शिक्षाविद्)

का बैकुण्ठधाम 30 दिसम्बर, 2021

को हो जाने पर समाज बन्धुओं, रिश्तेदारों, राजनेताओं, शुभ चिन्तकों, मित्रगणों एवं सामाजिक संस्थाओं, संगठनों के पदाधिकारी व्यक्तिगत उपस्थित होकर तथा दूरभाष, वाट्सएप, मोबाईल आदि द्वारा संवेदना संदेश भेजकर इस दु:ख की घड़ी में हमें सम्बल दिया।

हम सभी परिवारजन आप सभी का हृदय से आभार व्यक्त करते हैं।

आभारी

• स्वामी विवेकानंद बालिका सी.मा. विद्यालय, बापू नगर • रोशनलाल बालिका सी. मा. विद्यालय, बरकत नगर, • विवेकानन्द बाल विद्यालय, टोंक फाटक • लाई.सी.एम. विद्यापीठ सी.मा. विद्यालय करतारपुरा • महात्मा गांधी प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग महाविद्यालय, बरकत नगर एवं समस्त संस्था परिवार

प्रमिला कुमावत (पत्नी), विमल कुमावत (भ्राता), बाबूलाल, अरुण, सुनील, दिनेश, गौरव (पुत्र), नमन, हेमांग (पौत्र) श्री हरीश व स्व. डॉ. महेन्द्र (दामाद) एवं समस्त परिवारजन।

ए-1, कृष्णा नगर प्रथम, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर मो. 98281861

आभार

हमारे पूज्य

श्री प्रेमचन्द बड़ीवाल

(बगरू, दहमीकलां) का बैकुण्ठधाम 8 जनवरी, 2022

को हो जाने पर समाज बन्धुओं, रिश्तेदारों, शुभ चिन्तकों, मित्रगणों एवं सामाजिक संस्थाओं, संगठनों के पदाधिकारी व्यक्तिगत उपस्थित होकर तथा दूरभाष, वाट्सएप, मोबाईल आदि द्वारा संवेदना संदेश भेजकर इस दु:ख की घड़ी में हमें सम्बल दिया।

हम सभी परिवारजन आप सभी का हृदय से आभार व्यक्त करते हैं।

आभारी

केला राम मारवाल (श्वसुर), सी. एम. बड़ीवाल (भ्राता),
चैनसुख बड़ीवाल, कैलाश बड़ीवाल, नितेश बड़ीवाल (पुत्र)

प्रतिष्ठान :

बड़ीवाल टैक्स एंड लॉ प्रैक्टिशनर प्राइवेट लिमिटेड (दहमीकलां बालाजी स्टैंड, अजमेर रोड, बगरू, जयपुर)

दहमी कलां-बगरू, जयपुर मो. 9829056063, 9929012957

हमारे प्रियजनों को अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

श्रीमती अमरकान्ता
धर्मपत्नी स्व. श्री राधेश्याम नागा
बापू नगर, जयपुर स्वर्गवास 23.12.2021

डॉ. नेमीचन्द घोड़ेला
बांदरी का नासिक जयपुर
स्व. 28.12.2021

श्री हीरा लाल खटोड़
सेवानिवृत्त आरएमएस, वैशाली नगर
स्व. 12.01.2022

श्री पूरण चन्द अनावडिया
संस्थापक : स्वामी विवेकानन्द
सी.से. स्कूल, बापू नगर स्वर्गवास 30.12.2021

श्री प्रेमचन्द बड़ीवाल
(बगरू)
स्वर्गवास 8.01.2022

कान्हा (विष्णु) पारमुवाल
पुत्र श्री प्रकाश पारमुवाल
रैवासा, सीकर
स्व. 13.01.2022

श्रद्धान्वत

कुमावत (खड़गटा-धुंधारिया) जनमंगल सेवा ट्रस्ट रामप्रकाश मारवाल श्री बी.एल. नागा जनकल्याण चेरीटेबल ट्रस्ट (रजि.) जयपुर

श्रद्धांजलि

हमारे श्रद्धेय बड़े समधी जी

श्री पूरण चन्द जी कुमावत

(शिक्षाविद्)

के बैकुण्ठधाम

1 जनवरी 2022 को हो जाने पर

अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

श्रद्धान्वत

नारायण प्रसाद चेजारा, महेश कुमार चेजारा

ननी दमन (U.T.) एवं खण्डेला जिला सीकर

श्रद्धांजलि

स्व. 15.01.2008

14वीं पुण्यतिथि

15 जनवरी 2022

स्व. श्री मनोहर सिंह जी कसुम्बीवाल

हम समस्त परिजन अश्रुपुरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रृद्धान्वत

राजेश कुमार, कमला देवी, त्रिलोक सिंह
विरेन्द्र सिंह, रोहित - गुंजन, दुर्गाबाई, विमला

64, ग्रेटर कैलाश कॉलोनी, एपेक्स माल के पीछे,
लाल कोठी, टोंक रोड़, जयपुर-15
मो. 9828547080, फोन : 0141-2740892

श्रद्धांजलि

स्व. 14.01.2017

स्व. श्री गोपाल लाल वर्मा (नागा)

पंचम पुण्यतिथि

14 जनवरी, 2022

श्रद्धान्वत

पुत्र-पुत्रवधु : बृजेन्द्र-विजयलक्ष्मी, अरुण-हेमलता, भवानी-मीनाक्षी, सुनील-उर्मिला
पुत्री-पुत्री दामाद : विमल-सतीश, रेणु-महेश जी, अनुराधा
पौत्र-पौत्र वधु : लोमश-मीनाक्षी, पौत्र : मनन,लोकेश, रोहित
पौत्री-पौत्री दामाद : अदिति-कमलेश जी, ऋचा-मयूर जी, रोमा-धीरज जी, आकांक्षा-गौरव जी, पौत्री : मुस्कान
दोहिती-दोहिती दामाद : शिवी-भरत जी, दोहिता : गर्वित, मृगांक
पड़पौत्र : हिमाक्ष, गीतांश (गीत) एवं समस्त नागा परिवार

डी-114ए, शिवाड़ एरिया, बापू नगर, जयपुर मो. 9983340103, 0141-2709547

चतुर्थ पुण्यतिथि

17 जनवरी, 2022

श्रद्धांजलि

द्वितीय पुण्य तिथि

31 दिसम्बर, 2021

स्व.17 जनवरी, 2018

स्व. श्रीमती लोचन कुमारी

धर्मपत्नी स्व. श्री फूलचन्द वर्मा

स्व. श्री फूलचन्द खड़गटा

31 दिसम्बर, 2019

श्रृद्धान्वत

गीता-धर्मपत्नी स्व. सुरेन्द्र खड़गटा, गजेन्द्र-ममता, देवेन्द्र -अंजना (पुत्र-पुत्रवधु), धीरेन्द्र खड़गटा IAS-प्रियंका, विरेन्द्र-कविता (पौत्र-पौत्रवधु), गौरव, साहिल (पौत्र), आयांश, आशीष (पड़पौत्र)

डी-106, सिवाड़ एरिया, बापू नगर, जयपुर
मो. : 9352555001, 9314268455, 8952920089

श्रद्धांजलि

11वीं पुण्यतिथि

27 जनवरी, 2022

स्व. श्रीमती नारायणी देवी

धर्मपत्नी स्व. श्री सौभागमल जी

स्व.27.01.2011

श्रृद्धान्वत

पुत्र-पुत्रवधु : हेमचन्द-पुष्पा, सतीश-मधु, योगेन्द्र-रेनू पौत्र-पौत्रवधु : मनीष-मनीषा, शैलेन्द्र-पूनम, हिमांक-निकिता, पौत्र : साहिल खड़गटा
पड़ पौत्र : तरुण, हर्षवर्धन

2806, खड़गटा भवन, मोती डूंगरी, जयपुर-302004

कुमावत (खड़गटा-धुंधारिया) जनमंगल सेवा ट्रस्ट (रजि.)

श्रद्धांजलि

स्वर्ग. 12.1.1993

स्व. श्री भैरीलालजी नागा

29वीं पुण्यतिथि

12 जनवरी, 2022

स्व. श्रीमती धन्नीदेवी नागा

ग्यारहवीं पुण्यतिथि

6 नवम्बर 2021

स्वर्ग. 6.11.2010

श्रद्धानवत:

पुत्र-पुत्रवधु : सुरेन्द्र कुमार-विजय कुमारी, स्व. अमरकान्ता- स्व. राधेश्यामजी, पौत्र-पौत्रवधु : बृजेन्द्र-विजयलक्ष्मी, अरुण-हेमलता, संदीप-प्रतिमा, भवानी-मीनाक्षी, चन्द्रजीत-अंजू, सुनील उर्मिला, पड़पौत्रवधु: लोमेश-मीनाक्षी, षड़पौत्र : हनी, समस्त पौत्रियां, दामाद, पड़पौत्रियां, पड़पौत्र, षडपौत्र एवं नागा परिवार

पता- डी-114-ए, सिवाड एरिया, बापूनगर, जयपुर (राज.)
मो 9414994006 फोन 2709925

श्रद्धांजलि

स्व. 28.1.1983

39 वीं पुण्य तिथि
28.1.2022
स्वर्गीय पद्मश्री
रामप्रकाश जी गहलोत

22 वीं पुण्य तिथि
1.4.2022
स्व. श्रीमती बनारसी देवी

स्व. 1.4.2000

श्रद्धावनत

पुत्रवधु : शीला, पौत्र-पौत्रवधु : दिलीप गहलोत-शोभा
पड़पौत्र : खुश, अवि, पौत्री दामाद : सुधीर वर्मा-रश्मि
पड़ दोहिते : अंश एवं अर्थ

9, गहलोत भवन, न्यू कॉलोनी, पाँच बत्ती, एम.आई.रोड, जयपुर-302001
मो. : 9829267666, 9829056570

Bhavna Kumawat

Date of birth	:	29.04.1994
Time	:	03.20 PM
Height	:	5' 4"
Complexion	:	Fair
Birth place	:	Sabarmati (Gujrat)
Qualification	:	B.Sc Maths (2014-17) from Sophia College, Ajmer MBA (2017-19) from Gurgaon
Job	:	Sr. Executive in Flipkart India at Gurgaon
Father	:	Sh. L. S. Kumawat working in Shree Cement Ltd, Beawar
Mother	:	Smt. Snehlata Kumawat Home maker
Siblings	:	
Elder brother	:	Kunal Kumawat (B.Tech) working in Infosys
married to	:	Reena kumawat (B.Tech) working in Orecle
Younger brother	:	Darshan Kumawat (B.Tech) working in Sprinklr
Gotra	:	Self : Nimiwal Mother : Dewatwal Dadi : Badiwal Nani: Rahoriya
Contact No.	:	Father -9413649649
Residence	:	Residing at Beawar

श्री बाबूलाल जी ब्याड़वाल

अध्यक्ष, कुमावत क्षत्रिय विकास समिति
बरकत नगर, टोंक फाटक, जयपुर

80वें
जन्म दिवस 1 जनवरी, 2022

एवं

श्री जयसिंह गुडीवाल

सह-सम्पादक, कुमावत इंडिया पत्रिका, जयपुर
भाजपा वार्ड अध्यक्ष वार्ड 141, जयपुर

50वें
जन्म दिवस 10 फरवरी, 2022

पर

हार्दिक बधाई व शुभकामनाएँ

शुभेच्छु :

रमेश कुमावत (गैदर)
मो. 9414554322
अध्यक्ष, कुमावत प्रगति ट्रस्ट
अध्यक्ष, कुमावत क्षत्रिय विकास समिति, मालवीय नगर, जयपुर

टीम चेतन धुंधारिया के प्रवक्ता, भाजपा वार्ड 141 के अध्यक्ष व कुमावत इंडिया पत्रिका के सह-सम्पादक

जयसिंह गुडीवाल

को

10 Feb. 50 वें

जन्मदिवस

की

हार्दिक बधाई व शुभकामनाएँ

शुभेच्छु :

टीम चेतन धुंधारिया

चेतन धुंधारिया 9829017584, 8209687840

Director
Mukesh Kumawat
93146-07695

Managing Director
C.M. Kumawat
98290-56063

Director
Lokesh Kumawat
97837-83123

CMT ARTS INDIA PVT LTD.

MANUFACTURER, EXPORTER, IMPORTER & WHOLESALER OF
All kind of : HANDICRAFT, GIFT AND SOUVENIR

Since 1976

Speciality :

1. Cedar Wood/ Kadamba wood with fine carving and half antique.
2. Sandalwood artifacts 3. Brass metal with turquoise work and Antique finish
4. Marble with painted & embossed art 5. Cultured marble 6. Soft stone 7. Miniature Art

Showroom :
"Sai-Villa", Plot No. 39, Mission Compound,
C-Scheme, Near Ajmer Puliya (Bridge)
Jaipur 302 001 (Raj.) Tel: +91-141-4041561

Residence :
F-31/A, Lal Bhadhur Nagar (W),
S.L. Marg, Main Road, Durgapura,
Tonk Road, Jaipur - 302018 (Raj.)

Email: cmtartsindia@gmail.com

Website : www.sandalwood.cn.com

Shubh Laxmi Crane & Engineers

(Formally Know as Shri Laxmi Crane Service)

All India Equipments Rental Service Provider

Jai Kishan Kumawat
+91- 9829125428
+91- 9887011175

Shankar Lal Kumawat
+91- 9887227775

Mukesh Kumar Kumawat
+91- 9887337775

H.O.
Shree Heera Bhawan, Dholi Mandi
Chomu-303702 Distt. Jaipur (Rajasthan)

B.O.
Near Patwar Bhawan,Village - Kawas
Distt. Barmer - 344035 (Rajasthan)

shreelaxmicranes@gmail.com
shubhlaxmicrane@gmail.com

www : shrilaxmicrane.com

Graphic By : Art point # 9928064300

RNI - RAJHIN/2017/74285

प्रेषक: कुमावत इंडिया पत्रिका
एफ 31/ए, एस. एल. मार्ग,
लाल बहादुर नगर-प., दुर्गापुरा, जयपुर - 302018